हकेवि में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी के लिए राह हुई आसान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डेस) का उद्घाटन शनिवार को सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल ने किया। विश्वविद्यालय में स्थापित इस केंद्र की शुरूआत के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में इरा सिंघल उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली भी उपस्थित रही। सुनीता दुग्गल ने इस केंद्र की शुरूआत को अहम बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब उन अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए यूपीएससी की राह आसान होगी जोकि कोचिंग के अभाव के चलते सफलता हासिल नहीं कर पा रहे थे। विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की उद्घाटन के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सुनीता दुग्गल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। उन्होंने इस केंद्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनका पद इस तरह का पद है जिस पर रहकर जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का हर दिन सामना करना होता है। इसलिए उन्हें हर क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि इरा सिंघल ने भी अपने संबोधन में यूपीएससी की परीक्षा और उससे जुडे विषय पर प्रकाश डालते हुए कोचिंग का महत्व बताया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढ़ंग से तैयारी की भूमिका अहम होती है और यह केंद्र भी इसी के लिए प्रयासरत रहेगा। डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार बताया कि इस केंद्र में दाखिले के लिए 200 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से परीक्षा परीक्षा के बाद 89 ने दाखिला लिया। जिनकी कक्षाएं 3 अक्टूबर से शुरू हो रही हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रविंद्र, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. विकास कुमार, डॉ. बिनय कुमार रे, डॉ. रवि कुमार, निशान सिंह, सुनील अग्रवाल व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व इस केंद्र में पंजीकृत हुए परीक्षार्थी भी उपस्थित रहे।

डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का शुभारम्भ

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए यू.पी.एस.सी. की राह हुई आसान

■ आई.ए.एस. इरा सिंघल ने भी आयोजन की शोभा बढ़ाई

महेंद्रगढ़, 1 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन शनिवार को सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल ने किया।

विश्वविद्यालय में स्थापित इस केंद्र की शुरूआत के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में इरा सिंघल उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली भी उपस्थित रही। इस अवसर पर सुनीता दुग्गल ने इस केंद्र की शुरूआत को अहम बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब उन अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए यूपीएससी की राह आसान होगी जोकि कोचिंग के अभाव के चलते सफलता हासिल नहीं कर पा रहे थे।

कार्यक्रम में सुनीता दुग्गल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा राज्य में इस केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी हमारे विश्वविद्यालय को सौंपी गई है।

प्रतिभागी अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं : सुनीता दुग्गल

विश्वविद्यालय में इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सुनीता दुग्गल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। उन्होंने इस केंद्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनका पद इस तरह का पद है जिस पर रहकर जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का हर दिन सामना करना होता है, इसलिए उन्हें हर क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर दुग्गल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हीं के प्रयासों से आज भारत का संविधान उपलब्ध है और उसके अंतर्गत हमें मतदान का अधिकार मिला है।

उन्होंने इस केंद्र की परिकल्पना का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आखिरी पायदान पर खड़े वंचित वर्ग के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए डेस की स्थापना भी ऐसा ही एक प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की भी सराहना की और कहा कि अवश्य ही यह केंद्र देश को कई प्रतिभावान प्रशासनिक सेवक उपलब्ध कराएगा। इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि इरा सिंघल ने अपने संबोधन में यू.पी.एस.सी. की परीक्षा और उससे जुड़े विषय पर प्रकाश डालते हुए कोचिंग का महत्व बताया।

उन्होंने बताया कि देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए तैयारी भी खूब मेहनत से करनी होती है, ऐसे में अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से विद्यार्थी लाभांवित होंगे।

परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढंग से तैयारी की भूमिका अहम

विश्वविद्यालय में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी गण्यमान्य अतिथियों का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में अनुसूचित जाति के युवाओं की सफलता के ग्राफ में बढ़ौतरी का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढंग से तैयारी की भूमिका अहम होती है और यह केंद्र भी इसी के लिए प्रयासरत रहेगा। डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार बताया कि इस केंद्र में दाखिले के लिए 200 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से परीक्षा के बाद 89 ने दाखिला लिया। जिनकी कक्षाएं 3 अक्तूबर से शुरू हो रही हैं।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रविंद्र, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. विकास कुमार, डॉ. बिनय कुमार रे आदि उपस्थित रहे।

जालंधर में बिकाऊ

न्यूज पेपर रद्दी, वेस्ट क्लिपिंग (थब्बा) मलट, प्लास्टिक बाल्टियां, कैनियां, गट्टू, खाली गोला, कचरा पेटी, खाली आयरन ड्रम।

सम्पर्क करें: कुंदन कुमार

75088-07303

Email:gaganpreet@punjabkesari.net.in

हकेवि में रोजगार कौशल में वृद्धि पर 6 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत छात्राओं के लिए रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नंदी फाउंडेशन) के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कॉर्पोरेट जगत में रोजगार कौशल और इन कौशलों के महत्त्व पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. विकास गर्ग, डॉ. दिव्या और डॉ. तरुण उपनिदेशक टी एंड पी, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अजय कुमार बंसल नोडल अधिकारी सीएसआर की इस कार्यशाला के आयोजन के लिए सराहना की। कार्यशाला में नंदी ग्रुप के कॉरपोरेट ट्रेनर संतोख सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संचार कौशल, प्रस्तुतिकरण, साक्षात्कार, बायोडेटा बनाना, रोजगार कौशल सहित विभिन्न सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े विभिन्न पक्षों से गतिविधियों व व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया। कार्यशाला में एमबीए की छात्रा ऐश्वर्या जोशी और कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा जसलीन कौर को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मर तथा बी.वॉक. की सची, एम.एससी. सांख्यिकी की रिंकू पूनिया को रनरअप घोषित किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बी.टेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा सृष्टि को सर्वश्रेष्ठ समन्यवक का पुरस्कार प्रदान किया गया।

रोजगार कौशल का बताया महत्व

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) महेंद्रगढ़ में छात्राओं के लिए रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को किया गया।

विवि के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नंदी फाउंडेशन) के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में एमबीए की छात्रा ऐश्वर्या जोशी और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा जसलीन कौर को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मर तथा बी वॉक की सूची, एमएससी सांख्यिकी की रिंकू पूनिया को रनरअप घोषित किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉर्पोरेट जगत में रोजगार कौशल और इन कौशलों का महत्व बताया।

कुलपति ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. विकास गर्ग, डॉ. दिव्या और डॉ. तरुण उपनिदेशक टी एंड पी, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अजय कुमार बंसल नोडल अधिकारी सीएसआर की इस कार्यशाला के आयोजन के लिए सराहना की। कार्यशाला में नंदी ग्रुप के कॉरपोरेट ट्रेनर संतोख सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संचार कौशल, प्रस्तुतिकरण, साक्षात्कार, बायोडाटा बनाना, रोजगार कौशल सहित विभिन्न सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े विभिन्न पक्षों से गतिविधियों व व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा सृष्टि को सर्वश्रेष्ठ समन्यवक का पुरस्कार प्रदान किया गया। संवाद

कारपोरेट जगत में रोजगार पर ध्यान करें केंद्रित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत छात्राओं के लिए रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ ने महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नंदी फाउंडेशन) के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कारपोरेट जगत में रोजगार कौशल और इन कौशलों के महत्त्व पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक डा. विकास गर्ग, डा. दिव्या और डा. तरुण उपनिदेशक टीएंडपी, डा. विकास कुमार, डा. अजय कुमार बंसल नोडल अधिकारी सीएसआर की इस कार्यशाला के आयोजन के लिए सराहना की। कार्यशाला में नंदी ग्रुप के कारपोरेट ट्रेनर संतोख सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संचार कौशल, प्रस्तुतिकरण, साक्षात्कार, बायोडेटा बनाना, रोजगार कौशल सहित विभिन्न साफ्ट स्किल्स से जुड़े विभिन्न पक्षों से गतिविधियों व व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया। कार्यशाला में एमबीए की छात्रा ऐश्वर्या जोशी और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा जसलीन कौर को सर्वश्रेष्ठ परफार्मेंस तथा बीवाक की सची, एमएससी सांख्यिकी की रिंकू पूनिया को रनर अप घोषित किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा सृष्टि को सर्वश्रेष्ठ समन्यवक का पुरस्कार प्रदान किया गया।

छह दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागी छात्राएं शिक्षक एवं विशेषज्ञ के साथ ● हकेंवि प्रवक्ता

हकेंवि में छह दिवसीय कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नंदी फाउंडेशन) के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया।

कार्यशाला में प्रतिभागी छात्राएं शिक्षक एवं विशेषज्ञ के साथ।

हकेंवि में रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 3 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अध्ययनरत छात्राओं के लिए रोजगार कौशल में वृद्धि पर आधारित 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट प्रकोष्ठ द्वारा महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नंदी फाऊंडेशन) के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कॉर्पोरेट जगत में रोजगार कौशल और इन कौशलों के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति ने प्रशिक्षण एवं प्लेसमैंट प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. विकास गर्ग, डॉ. दिव्या और डॉ. तरुण उपनिदेशक टी. एंड पी., डॉ. विकास कुमार, डॉ. अजय कुमार बंसल नोडल अधिकारी सी.एस.आर. की इस कार्यशाला के आयोजन के लिए सराहना की। कार्यशाला में नंदी ग्रुप के कॉर्पोरेट ट्रेनर संतोख सिंह विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संचार कौशल, प्रस्तुतिकरण, साक्षात्कार, बायोडाटा बनाना, रोजगार कौशल सहित विभिन्न सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े विभिन्न पक्षों से गतिविधियों व व्याख्यान के माध्यम से अवगत कराया।

कार्यशाला में एम.बी.ए. की छात्रा ऐश्वर्या जोशी और कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा जसलीन कौर को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मर तथा बी.वॉक. की सची, एम.एससी. सांख्यिकी की रिंकू पूनिया को रनरअप घोषित किया गया।

कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बी.टैक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा सृष्टि को सर्वश्रेष्ठ समन्यवक का पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र के रूझानों से करवाया अवगत

विजय कौशिक

कार्यशाला में विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा पाँच दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रूझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में हो रहे बदलवों को जानने समझने का मौका मिला। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल, टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के संजय जैन व मोहित सैनी, सेनडन ग्लोबल इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के टिंकू शर्मा व सकाटा इंक प्राइवेट लिमिटेड के सोमपाल सिंह विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहे। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि कार्यशाला में प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यशाला के दूसरे दिन संजय जैन ने डिजिटल पैकेजिंग के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं बदलावों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसी क्रम में मोहित सैनी ने ग्रीन प्लेट्स एंड केमिकल्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के तीसरे दिन टिंकू शर्मा ने फ्लेक्सो तकनीक में हो रहे नवाचार एवं रूझानों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। चौथे दिन विशेषज्ञ सोमपाल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं व तकनीक के विकास से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेवि में स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता के महत्व पर होगा मंथन

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के 75वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने जा रहा है। आगामी 10 व 11 अक्टूबर, 2022 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के बुद्धिजीवी शामिल होंगे। इस दो दिवसीय आयोजन के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप शामिल होने जा रही है जबकि समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित विश्वविद्यालय में उपस्थित रहेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से आजादी के 75 वर्ष और इस कालखंड में आर्थिक में महिला उद्यमिता के महत्व को जानने समझने का अवसर प्राप्त होगा। संगोष्ठी की संयोजिका प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. दिव्या, आयोजन सचिव अर्थशास्त्र विभाग में सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर और भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि 10 अक्टूबर को उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में एबीआरएसएम के अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल और संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर के साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के मित्तल उपस्थित रहेंगे। इसी क्रम में आयोजन के दूसरे दिन महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में समापन सत्र की शोभा बढ़ायेंगे।

प्रिंटिंग और पैकेजिंग क्षेत्र में अवसरों के बारे में दी जानकारी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से चल रही पांच दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। इस दौरान विशेषज्ञों ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रुझान के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला से प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में हो रहे बदलाव को जानने और समझने का मौका मिला। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि कार्यशाला में प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया के बारे में बताया। संजय जैन ने डिजिटल पैकेजिंग के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं बदलावों के बारे में जानकारी दी। मोहित सैनी ने ग्रीन प्लेट्स एंड केमिकल्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। टिंकू शर्मा ने फ्लेक्सो तकनीक में हो रहे नवाचार से अवगत कराया। चौथे दिन विशेषज्ञ सोमपाल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं व तकनीक के विकास से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों को नारनौल में प्रिंटिंग प्रेस का शैक्षणिक भ्रमण करवाकर विषय की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध करवाई गई। संवाद

हकेवि में पांच दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

विशेषज्ञों ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र के रुझानों से करवाया अवगत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रुझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में हो रहे बदलावों को जानने समझने का मौका मिला। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल, टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के संजय जैन व मोहित सैनी, सेनडन ग्लोबल इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के टिंकू शर्मा व सकाटा इंक प्राइवेट लिमिटेड के सोमपाल सिंह विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि कार्यशाला में प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसाइक्लिंग तथा डाउनसायक्लिंग प्रक्रिया पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यशाला के दूसरे दिन संजय जैन ने डिजिटल पैकेजिंग के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं बदलावों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसी क्रम में मोहित सैनी ने ग्रीन प्लेट्स एंड केमिकल्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के तीसरे दिन टिंकू शर्मा ने फ्लेक्सों तकनीक में हो रहे नवाचार एवं रुझानों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हकेवि में 5 दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

विशेषज्ञों ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र के बदलावों से करवाया अवगत

नारनौल, 4 अक्तूबर (निस)

नारनौल में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ शिक्षक। -निस

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रूझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में हो रहे बदलावों को जानने समझने का मौका मिला। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल, टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के संजय जैन व मोहित सैनी, सेनडन ग्लोबल इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के टिंकू शर्मा व सकाटा इंक प्राइवेट लिमिटेड के सोमपाल सिंह विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र विशाल सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के समन्वयक विभाग के सहायक आचार्य तरूण सिंह, शम्मी मेहरा जबकि आयोजन समिति में विभाग प्रभारी संदीप बूरा सहित अनिल कुंडू व निशान सिंह शामिल थे।

ह.के.वि. में पांच दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

■ विशेषज्ञों ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र के रूझानों से करवाया अवगत

कार्यशाला में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी शिक्षकों व विशेषज्ञों के साथ।

महेंद्रगढ़, 4 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी विभाग द्वारा 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं रुझान विषय पर आधारित इस कार्यशाला में प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे बदलावों से अवगत करवाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग क्षेत्र में हो रहे बदलावों को जानने समझने का मौका मिला। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल, टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के संजय जैन व मोहित सैनी, सेनडन ग्लोबल इंजीनियरिंग टैक्नोलॉजी लिमिटेड के टिंकू शर्मा व सकाटा इंक प्राइवेट लिमिटेड के सोमपाल सिंह विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागियों के बीच उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि कार्यशाला में प्रो. अंजन कुमार बराल ने प्रतिभागियों को अपसायक्लिंग, रिसायक्लिंग तथा डाउन सायक्लिंग प्रक्रिया पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन संजय जैन ने डिजिटल पैकेजिंग के क्षेत्र में हो रहे नवाचार एवं बदलावों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसी क्रम में मोहित सैनी ने ग्रीन प्लेट्स एंड केमिकल्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के तीसरे दिन टिंकू शर्मा ने फ्लेक्सो तकनीक में हो रहे नवाचार एवं रूझानों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

चौथे दिन विशेषज्ञ सोमपाल सिंह ने प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं व तकनीक के विकास से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थियों को नारनौल में प्रिंटिंग प्रैस का शैक्षणिक भ्रमण करवाकर विषय की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

कार्यशाला के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र विशाल सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम के समन्वयक विभाग के सहायक आचार्य तरूण सिंह, शम्मी मेहरा हैं जबकि आयोजन समिति में विभाग प्रभारी संदीप बूरा सहित अनिल कुंडू व निशान सिंह सम्मिलित हैं। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

ह.के.वि. में स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता के महत्व पर होगा मंथन

ई.सी.एस.एस.आर. व ए.बी.आर.एस.एम. के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 10 से

महेंद्रगढ़, 4 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.के.वि.), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के 75वर्ष स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने जा रहा है। आगामी 10 व 11 अक्तूबर, 2022 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई.सी.एस.एस.आर.) व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ए.बी.आर.एस.एम.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के बुद्धिजीवी शामिल होंगे।

आयोजन के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने जा रही हैं जबकि समापन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित विश्वविद्यालय में उपस्थित रहेगी।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से आजादी के 75 वर्ष और इस कालखंड में आर्थिक में महिला उद्यमिता के महत्व को जानने समझने का अवसर प्राप्त होगा। संगोष्ठी की संयोजिका प्रबंधन अध्ययन विभाग की डा. दिव्या, आयोजन सचिव अर्थशास्त्र विभाग में सहायक आचार्य डा. रश्मि तंवर और भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डा. मनीष कुमार ने बताया कि 10 अक्तूबर को उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में ए.बी.आर.एस.एम. के अध्यक्ष प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल और संगठन मंत्री महेंद्र कपूर के साथ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के मित्तल उपस्थित रहेंगे।

इसी क्रम में आयोजन के दूसरे दिन महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में समापन सत्र की शोभा बढ़ाएंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है।

दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आईईईई ग्लोबकॉनपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ जोकि स्कूल ऑफ साइंस, कम्प्युटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में प्रोफेसर भी है, ने प्रदान किया।

उन्होंने इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया और उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

यहां बता दे कि प्रो. टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में स्थापित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पद्भार ग्रहण करने से पहले वे गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति पद को करीब छह साल तक सुशोभित कर चुके हैं।

प्रो. साद मेखिलेफ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीजी में दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

विद्यार्थी 8 अक्तूबर तक कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीकरण, 10 अक्तूबर को लगेगी मेरिट सूची

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में दाखिला प्रक्रिया के तहत विश्वविद्यालयीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातकोतर पाठ्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए पंजीकरण 1 अक्तूबर से शुरू हो गया है। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया 8 अक्तूबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण के बाद मेरिट सूची जारी होगी। पहली काउंसिलिंग 11 अक्तूबर को होगी।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से परिणाम घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर में उपलब्ध 1322 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दी है। विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल अधिकारी प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कोर्सों में कुल 1322 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आगामी 8 अक्टूबर तक करवाया जा सकता है। इसके बाद मेरिट लिस्ट 10 अक्तूबर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी और श्रेणीवार मेरिट लिस्ट व पहली काउंसलिंग 11 अक्तूबर को जारी होगी। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशानिर्देश आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

पीजीडीसीए कोर्स में दाखिले का शेड्यूल जारी

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय नारनौल में 40 पीजीडीसीए कोर्सों की सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोर्स में दाखिले के लिए विद्यार्थी सात अक्तूबर तक कॉलेज में ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद 8 अक्तूबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। राजकीय महाविद्यालय के दाखिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि पीजीडीसीए कोर्स में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की ओर से शेड्यूल जारी कर दिया गया है। विद्यार्थियों को कॉलेज में जाकर ऑफलाइन आवेदन करना होगा। विद्यार्थी सात अक्तूबर सायं चार बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आठ अक्तूबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों को उसी दिन फीस जमा करवानी होगी। संवाद

हकेंवि : महिला उद्यमिता विषय पर संगोष्ठी 10 से

महेंद्रगढ़। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में महिला उद्यमिता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 10 व 11 अक्तूबर को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में होगी।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा होंगी। समापन सत्र की मुख्य अतिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित होंगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि संगोष्ठी से महिला उद्यमिता के महत्व को जानने समझने का अवसर मिलेगा। संयोजक प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. दिव्या, आयोजन सचिव अर्थशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रश्मि तंवर और भूगोल विभाग में सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि 10 अक्तूबर को उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल, महेंद्र कपूर, पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह होंगे। संवाद

प्रो. टंकेश्वर कुमार को मिला एलीट एकेडमीशियन अवॉर्ड

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉंफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी की ओर से एलीट एकेडमीशियन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के लिए दिया गया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वे शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है। दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कॉंफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आईईईई ग्लोबकॉनपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ जो स्कूल ऑफ साइंस, कम्प्युटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में प्रोफेसर भी है, ने प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रो.टंकेश्वर कुमार के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया और उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। प्रो.टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में स्थापित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार ग्रहण करने से पहले वे गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति पद को करीब छह साल तक सुशोभित कर चुके हैं।

अवॉड लेते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। विज्ञप्ति

हकेवि में स्नातकोत्तर कोर्स में दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में उपलब्ध 1322 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण शनिवार 01 अक्टूबर से शुरू हो चुके हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया 8 अक्टूबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की कुल 1322 सीटें उपलब्ध हैं। जिनमें दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आगामी 08 अक्टूबर, 2022 तक करवाया जा सकता है। इसके पश्चात मेरिट लिस्ट 10 अक्टूबर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी तथा श्रेणीवार मेरिट लिस्ट व पहली काउंसलिंग 11 अक्टूबर को जारी होगी। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशा निर्देश आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एलिट एकेडमिशियन अवॉर्ड से सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुआ सम्मान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो.

टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है। दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आईईईई ग्लोबकॉनपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ जोकि स्कूल ऑफ साइंस, कम्प्यूटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में प्रोफेसर भी है, ने प्रदान किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

स्नातकोतर में दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूइटी) 2022 के स्नातकोतर के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोतर में उपलब्ध सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग के लिए पंजीकरण एक अक्टूबर से शुरू हो चुके हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूइटी के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि स्नातकोतर कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात अभ्यर्थियों के लिए आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोतर में1322 सीटें उपलब्ध हैं। जिनमें दाखिले के लिए आनलाइन पंजीकरण आगामी आठ अक्टूबर तक होगा। मेरिट लिस्ट 10 अक्टूबर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई जाएगी तथा श्रेणीवार मेरिट लिस्ट व पहली काउंसलिंग 11 अक्टूबर को जारी होगी। डा. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक पंजीकरण, सीटों का विवरण, फीस व अन्य दिशा निर्देश आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

सात तक पीजीडीसीए में पा सकते हैं दाखिला

जागरण संवाददाता, नारनौल: राजकीय महाविद्यालय नारनौल में पीजीडीसीए कोर्स में दाखिले शुरू हो चुके हैं। राजकीय महाविद्यालय नारनौल के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि पीजीडीसीए कोर्स में दाखिले की सूची विश्वविद्यालय ने जारी कर दी है। उसके अनुसार विद्यार्थियों को कालेज में जाकर आफलाइन दाखिले के लिए अप्लाई करना होगा। जिसकी अंतिम तिथि सात अक्टूबर शाम चार बजे तक है। उसके बाद आठ को मेरिट लिस्ट लगाई जाएगी।

प्रो. टंकेश्वर को मिला एलिट एकेडमिशियन अवार्ड

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आइइइइ इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कांफ्रेंस आन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलाजी द्वारा एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड के लिए आइईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है।

दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कांफ्रेंस आन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलाजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को

कुलपति प्रो. टंकेश्वर को एलिट एकेडमिशियन अवार्ड करते हुए ● सौ. प्रवक्ता

यह सम्मान आइईईईई ग्लोबकानपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रोफेसर साद मेखिलेफ जोकि स्कूल आफ साइंस, कम्प्युटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलाजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी, आस्ट्रेलिया में प्रोफेसर भी हैं, ने प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रो.टंकेश्वर कुमार के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया और उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास की दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। प्रो.टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में स्थापित डा. एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार ग्रहण करने से पहले वे गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति पद पर करीब छह साल तक सुशोभित रह चुके हैं।

प्रो. टंकेश्वर एलीट एकेडमीशियन अवार्ड से सम्मानित

नारनौल, 5 अक्तूबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा एलीट एकेडमीशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Thu htt

प्रो. टंकेश्वर कुमार एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुआ सम्मान

हाड़ौती अधिकार

नारनौल, 5 अक्टूबर। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी द्वारा एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है।

दिल्ली के इंडिया हैबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आईईईई ग्लोबकॉमपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ जोकि स्कूल ऑफ साइंस, कम्प्यूटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में प्रोफेसर भी है, ने प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रो.टंकेश्वर कुमार के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया और उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। यहां बता दें कि प्रो.टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में स्थापित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार ग्रहण करने से पहले वे गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति पद को करीब छह साल तक सुशोभित कर चुके हैं।

एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित होते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

प्रो. टंकेश्वर कुमार को मिला एलिट एकेडमिशियन अवार्ड

- शिक्षा, तकनीकी विकास व प्रशासनिक कार्यों के लिए मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी अमेरिका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी की ओर से एलिट एकेडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सवारेत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है। दिल्ली के इंडिया हेबीटेट सेंटर में आयोजित ग्लोबल कॉफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी में प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आईईईई ग्लोबकॉनपीटी-2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ जोकि

महेंद्रगढ़। कुलपति टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्कूल ऑफ साइंस, कम्प्युटिंग एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजिस, स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया में प्रोफेसर ने प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में योगदान का उल्लेख किया और उनके की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी विकास के दिशा में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। यहां बता दे कि प्रो. टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में स्थापित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पद्भार ग्रहण करने से पहले वे गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति पद को करीब छह साल तक सुशोभित कर चुके हैं।

हकेविः स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आरंभ

■ स्नातकोत्तर कार्यक्रम में 1322 सीटें उपलब्ध

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के स्नातकोतर कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोतर कार्यक्रमों में उपलब्ध 1322 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण शनिवार एक अक्टूबर से शुरू हो चुके हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी आठ अक्टूबर तक जारी रहेगी। पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जाएंगे।

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण शुरू

महेंद्रगढ़ 5 अक्तूबर (परमजीत/ मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा 2022 के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं।

शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में उपलब्ध 1322 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

विश्वविद्यालय के सी.यू.ई.टी. के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काऊंसलिंग हेतु पंजीकरण 1 अक्तूबर से शुरू हो चुके हैं। ऑनलाइन पंजीकरण की यह प्रक्रिया आगामी 8 अक्तूबर तक जारी रहेगी।

पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मैरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एलिट एकैडमिशियन अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़, 5 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आई.ई.ई.ई. इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसायटी, अमरीका से अनुदान प्राप्त ग्लोबल कांफ्रैंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्यूनिकेशन टैक्नोलॉजी द्वारा एलिट एकैडमिशियन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान आई.ई.ई.ई. ग्लोबकॉनपीटी 2022 के जनरल चेयर प्रो. साद मेखिलेफ ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक, प्रशासनिक व तकनीकी विकास के मोर्चे पर सर्वोत्तम योगदान को देखते हुए प्रदान किया गया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवार्ड के लिए आई.ई.ई.ई. इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही वो शिक्षा के क्षेत्र में जारी अपने प्रयासों को पूर्व की तरह जारी रखेंगे और यह सम्मान उनकी इस यात्रा में सहभागी सभी सहयोगियों के प्रयासों का परिणाम है।

प्रो. साद मेखिलेफ प्रो टंकेश्वर कुमार को सम्मानित करते।

यहां बता दे कि प्रो. टंकेश्वर कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में स्थापित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कम्प्यूटर सैंटर के निदेशक भी रहे हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार ग्रहण करने से पहले वे गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति पद को करीब 6 साल तक सुशोभित कर चुके हैं।

पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित

हकेंवि : संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर पाठ्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों, प्रोफेशनल्स के लिए संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम आयोजित किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सात सप्ताह के इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कुलपति ने पाठ्यक्रम के आयोजन के लिए टीम की सराहना की। कार्यक्रम समन्वयक एवं विशेषज्ञ नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में इस पाठ्यक्रम के पांच बैच पूरे किए जा चुके हैं।

पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और अन्य। संवाद

इस पाठ्यक्रम के लिए कुल 38 प्रतिभागियों ने आवेदन किया। अंत में 26 प्रतिभागियों ने 10 विशेषज्ञों द्वारा आयोजित 24 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के अधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व विकास के पाठ्यक्रम में लिया भाग

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुस्तकालय ने किया पाठ्यक्रम का आयोजन
- कुलपति ने पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्रोफेशनल्स के लिए संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (सीएसपीडी) पाठ्यक्रम आयोजित किया।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार, पुस्तकालय अध्यक्ष डाक्टर संतोष सीएच, उप पुस्तकालय अध्यक्ष डाक्टर राजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने सात सप्ताह के इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कुलपति ने पाठ्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समन्वयक नरेश कुमार और पुस्तकालय टीम के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम समन्वयक एवं विशेषज्ञ नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में इस पाठ्यक्रम के पांच ग्रुप पूरे किए जा चुके हैं।

इस पाठ्यक्रम के लिए कुल 38 प्रतिभागियों ने आवेदन किया। अंत में 26 प्रतिभागियों ने 10 विशेषज्ञों द्वारा आयोजित 24 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएसपीडी पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार और कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार ● सौ. प्रवक्ता

हकेंवि में संचार कौशल पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रोफेशनल्स के लिए संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (सीएसपीडी) पाठ्यक्रम आयोजित किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच, पुस्तकाल उपाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सात सप्ताह के इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कुलपति ने पाठ्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समन्वयक नरेश कुमार और पुस्तकालय टीम के प्रयासों की सराहना की।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार।

कार्यक्रम समंवयक एवं विशेषज्ञ नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में इस पाठ्यक्रम के पांच बैच पूरे किए जा चुके हैं। इस पाठ्यक्रम के लिए कुल 38 प्रतिभागियों ने आवेदन किया। अंत में 26 प्रतिभागियों ने 10 विशेषज्ञों द्वारा आयोजित 24 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेंवि में संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर पाठ्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 6 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्रोफैशनल्स के लिए संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास (सी.एस.पी.डी.) पाठ्यक्रम आयोजित किया।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच., उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ की उपस्थिति में विश्वविद्यालय

सी.एस.पी.डी. पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 7 सप्ताह के इस पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर कुलपति ने पाठ्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समन्वयक नरेश कुमार और पुस्तकालय टीम के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम समन्वयक एवं विशेषज्ञ नरेश कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में इस पाठ्यक्रम के 5 बैच पूरे किए जा चुके हैं। इस पाठ्यक्रम के लिए कुल 38 प्रतिभागियों ने आवेदन किया। अंत में 26 प्रतिभागियों ने 10 विशेषज्ञों द्वारा आयोजित 24 प्रशिक्षण सत्रों में भाग लेकर इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अवसर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीयू की प्रोफेसर सुषमा यादव बनीं सीयूएच की समकुलपति

जासं, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के राजनीतिक विभाग में प्रोफेसर व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सदस्य सुषमा यादव को महेंद्रगढ़ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा (सीयूएच) का समकुलपति नियुक्त किया गया है। वह दिल्ली के बादली की रहने वाली हैं।

प्रो. सुषमा यादव ● सौजन्य-स्वयं

फोन पर सुषमा यादव ने बताया कि उन्होंने अपना नवीन दायित्व ग्रहण कर लिया है। उस पर खरा उतरना ही मेरी प्राथमिकता है। इससे पहले वह हरियाणा के सोनीपत जिले में स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति, इग्नू में समकुलपति, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान में अंबेडकर चेयर की चेयरपर्सन और डीयू में अकादमिक परिषद के सदस्य सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रही हैं। इनकी नियुक्ति पर डीटीए अध्यक्ष डा. हंसराज सुमन सहित अन्य शिक्षकों ने खुशी जाहिर की है।

कार्यक्रम ▪ स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

देश के विकास में महिला उद्यमियों की भूमिका अहम : प्रो.टंकेश्वर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्ष: स्थिरता के लिए महिला उद्यमिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यमियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.जेपी सिंघल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नॉन कॉलेजिएट वुमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो.गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फीजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभायेगा। मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डॉ.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य व रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डॉ.नरेश कुमार, गुरू जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंदकिशोर, प्रो.सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया जबकि मंच का संचालन डॉ. नीरज करण सिंह ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेवि के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत व डॉ.मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए

देश के विकास में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायकः प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ आर्थिक विकास के आजादी के 75 वर्षः स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को शुभारंभ हो गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आइसीएसएसआर) के आर्थिक सहयोग से, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महिला उद्यामियों की भूमिका निर्णायक है और अवश्य ही इस आयोजन में होने वाले विमर्श के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल एबीआरएसएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.जेपी सिंद्यल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व में नंबर एक के पायदान पर लाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में महिला उद्यमिता के विकास की भूमिका अहम रहेगी और हमें इस दिशा अधिकतम प्रयास करने होंगे। उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय नान कोलिजिएट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक प्रो.गीता भट्ट, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति मेजर जनरल रंजीत सिंह, फिजिक्स विभाग में प्रोफेसर सुनीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर एबीआरएसएम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर भी मंच पर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में यह विषय अति महत्वपूर्ण है और अवश्य ही भारत के विकास में महिला उद्यमिता का योगदान सदैव रहा है और भविष्य में भी यह भारत के प्रगति में निर्णायक भूमिका निभायेगा। प्रो.जेपी सिंद्यल ने अपने

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते वक्तागण ● सौ. एचकेंवि

संबोधन में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मल्टीटास्किंग होती है, धैर्यवान होती है, संवाद कुशल व नई सोच के विकास की पोषक होती है और यह गुण किसी उद्यामिता के विकास में महत्वपूर्ण है। मेजर जनरल रंजीत सिंह ने महिलाओं की क्षमता विकास और उनकी उर्जा व ज्ञान के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने अनेकों बार इस बात को साबित किया है कि वो विभिन्न स्तर पर पुरुषों के मुकाबले अधिक बेहतर परिणाम प्रदान कर सकती है। उन्होंने देश की एकता, सुरक्षा व आर्थिक विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। प्रो. गीता भट्ट ने भारत के इतिहास व पुरातन संस्कृति का उल्लेख करते हुए समाज व देश के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अनेकों उदाहरणों के माध्यम से स्वदेशी के भाव उसके विकास में रमाबाई जैसी महिलाओं के योगदान की जानकारी दी। प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बेहद सरल तरीके से परिवार, समाज,

आजादी के 75 वर्षः स्थिरता के लिए महिला उद्यामिता विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया गया शुभारंभ

देश व मानव कल्याण में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से हम महिलाओं की क्षमताओं का उपयोग कर सतत विकास के लिए आवश्यक आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विकास को बल प्रदान कर सकते हैं। पश्चिमी देशों के साथ तुलनात्मकता स्थापित कर प्रो.सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि किस तरह से भारतीय महिलाएं परिवार व देश की प्रगति में अज्ञात शक्ति के रूप कार्यरत है और हमें उन्हें उद्यमिता के विकास के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। महिला अवश्य ही भारत की जीडीपी के विकास में अहम योगदान दे सकती है।

इन लोगों ने कार्यक्रम में लिया भागः कार्यक्रम के आरंभ में संयोजक डा.दिव्या ने आयोजन का उद्देश्य और रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में आर्यभट्ट कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो.मनोज सिंहा, एमडीयू रोहतक से प्रो.युद्धवीर सिंह, जेएनयू, नई दिल्ली से डा.नरेश कुमार, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से प्रो.उषा अरोड़ा, एबीआरएसएम, हरियाणा के संयोजक श्री दया सिंह, शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा, प्रो.नंद किशोर, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डा. रश्मि तंवर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया, जबकि मंच का संचालन डा. नीरज करण सिंह ने किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में एबीआरएसएम, हकेंवि के अध्यक्ष डा. मनोज कुमार, डा. देवेंद्र सिंह राजपूत व डा.मनीष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेवि में फार्माकोविजिलेंस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर प्रकाश डाला

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में औषधि विज्ञान विभाग द्वारा फार्माकोविजिलेंस विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला विद्यार्थियों में कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान करती है। कार्यक्रम की अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण व कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला रोगी सुरक्षा और फार्माकोविजिलेंस के क्षेत्र से जुड़े शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की प्रो. बिकाश मेधी ने दवा की गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा की पहचान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को भारत के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम (पीवीपीआई) के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में भारतीय भेषज आयोग (आईपीसी) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. विवेकानंदन क्लाइसेलवन ने दवा और चिकित्सा उपकरण सुरक्षा में फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर प्रकाश डाला।

औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. दिनेश कुमार, विभाग में सहायक आचार्य व कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा पांडे ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस सुरक्षा मुद्दों पर सूचनाओं का विश्वसनीय और समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करके दवाओं और टीकों की सुरक्षा प्रदान करता है। अंत में डॉ. सुमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा, डॉ. तरुण कुमार, डॉ. सुरेंद्र वर्मा और डॉ. रणधीर सिंह भी उपस्थित थे।

हकेवि में फार्माकोविजिलेंस का बताया महत्व

- हकेवि में फार्माकोविजिलेंस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन
- दवा और चिकित्सा उपकरण सुरक्षा में फार्माकोविजिलेंस का है महत्व

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में औषधि विज्ञान विभाग द्वारा फार्माकोविजिलेंस विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और कहा कि इस तरह की कार्यशाला विद्यार्थियों में कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान करती है। कार्यक्रम की अध्यक्ष व स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण व कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला रोगी सुरक्षा और फार्मा को विजिलेंस के क्षेत्र से जुड़े शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। कार्यशाला में पीजीआई एमइआर चंडीगढ़ की प्रो. विकास मेधी ने दवा की गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा की पहचान करने के महत्व पर जोर दिया।

हकेवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ ● सौ. संस्था

उन्होंने प्रतिभागियों को भारत के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम के बारे में विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में भारतीय भेषज आयोग (आइपीसी) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डा. विवेकानंदन कलाइसेलवन ने दवा और चिकित्सा उपकरण सुरक्षा में फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डा. दिनेश कुमार ने बताया कि संदिग्ध प्रतिकूल प्रति क्रियाओं की स्वैच्छिक रिपोर्टिंग फार्माकोविजिलेंस गतिविधियों के लिए सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

विभाग में सहायक आचार्य व कार्यक्रम की माडरेटर डा. मनीषा पांडे ने बताया कि फार्माकोविजिलेंस सुरक्षा मुद्दों पर सूचनाओं का विश्वसनीय व समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करके दवाओं और टीको की सुरक्षा प्रदान करता है। आयोजन सचिव डा. अशोक जांगड़ा ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार और बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के शोधार्थियों और संकाय सदस्य भी कार्यशाला में सम्मिलित हुए। अंत में डा. सुमित कुमार ने धन्यवाद दिया।

हकेंवि में फार्माकोविजिलैंस पर कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 12 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में औषधि विज्ञान विभाग द्वारा फार्माकोविजिलैंस विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी और कहा कि इस तरह की कार्यशाला विद्यार्थियों में कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान करती है। कार्यक्रम की अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने स्वागत भाषण व कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला रोगी सुरक्षा और फार्माकोविजिलैंस के क्षेत्र से जुड़े शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यशाला में पी. जी. आई. एम. ई. आर., चंडीगढ़ की प्रो. बिकाश मेधी ने दवा की गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा की पहचान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को भारत के फार्माकोविजिलैंस प्रोग्राम (पी.वी.पी.आई.) के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। कार्यक्रम के

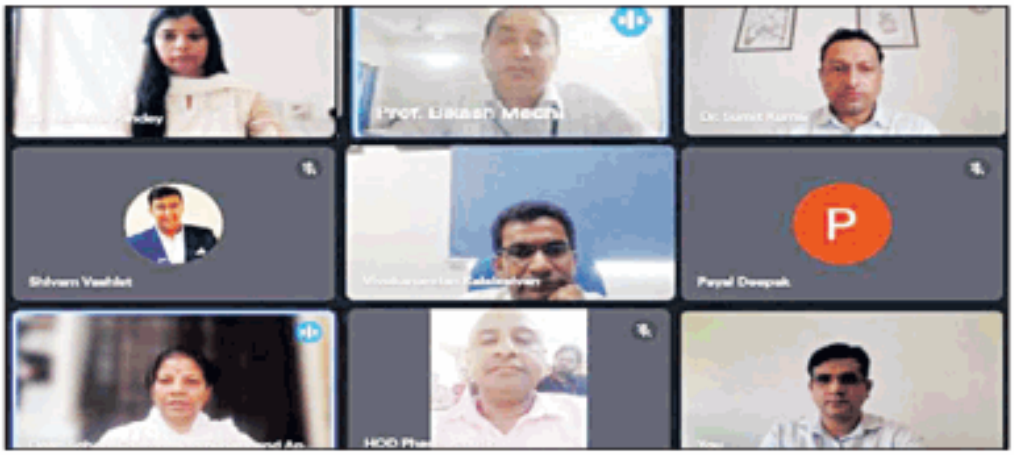

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ।

दूसरे सत्र में भारतीय भेषज आयोग (आई.पी.सी.) के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. विवेकानंदन कलाइसेलवन ने दवा और चिकित्सा उपकरण सुरक्षा में फार्माकोविजिलैंस के महत्व पर प्रकाश डाला।

औषधि विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि संदिग्ध प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की स्वैच्छिक रिपोर्टिंग फार्माकोविजिलैंस गतिविधियों के लिए सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत है ताकि फार्मास्यूटिकल्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता के प्रोफाइल का सही आकलन किया जा सके।

विभाग में सहायक आचार्य व कार्यक्रम की मॉडरेटर डॉ. मनीषा पांडे ने बताया कि फार्माकोविजिलैंस सुरक्षा मुद्दों पर सूचनाओं का विश्वसनीय और समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करके दवाओं और टीकों की सुरक्षा प्रदान करता है।

आयोजन सचिव डॉ. अशोक जांगड़ा ने बताया कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार और बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के शोधार्थियों और संकाय सदस्य भी कार्यशाला में सम्मिलित हुए। अंत में डॉ. सुमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. तरुण कुमार, डॉ. सुरेंद्र वर्मा और डॉ. रणधीर सिंह भी उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़ भास्कर 17-10-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय क्षेत्र की पहचान, दक्षिणी हरियाणा में उच्च शिक्षा के खुले विकल्प

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध व नवाचार के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के विकास के साथ आत्मनिर्भरता व कौशल विकास के सपने को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक के स्तर पर हो रहे नए परिवर्तनों को अपना रहा है और औद्योगिक मोर्चे पर विद्यार्थियों के शिक्षण, प्रशिक्षण की दिशा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत है। सुविधाओं के विस्तार की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विद्यार्थियों बल्कि स्थानीय युवाओं को भी इनका लाभ पहुँचाने की कार्ययोजना पर कार्य कर रहा है। वैश्विक महामारी के संकट के बाद विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत 151-200 के बीच जगह बनाकर साबित किया है कि विभिन्न चुनौतियों के बावजूद विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन, शोध व नवाचार की दिशा में जारी कोशिशों को प्रभावित नहीं होने दिया गया।

केंद्रीय विश्वविद्यालय की अब तक की उपलब्धियां

- भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 में विश्वविद्यालय श्रेणी में 151-200 के बीच मिला हकेंवि को स्थान।
- एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2022-23 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को हरियाणा में तीसरा व भारत में 39वां स्थान मिला।
- आउटलुक-आईसीएआरई रैंकिंग 2022 में हकेंवि शीर्ष 20 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए विश्वविद्यालय को आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया।
- 15वें इलेक्ट्रिक व्हिकल्स एग्जीबिशन (ईवी-एक्सपो)-2022 में हकेंवि को मिला बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड।
- ड्यूल डिग्री प्रोग्राम को मिली शैक्षणिक परिषद की मंजूरी।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लगातार अपनी क्षमताओं का विकास कर आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय नयी सोच, आपसी सहयोग व साझेदारी के साथ विकास के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय 08 स्कूलों के अंतर्गत 34 विभागों में 82 पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2022-23 से विश्वविद्यालय ने अपने यहां एमएससी जियोफॉर्मेटिक्स, एमएससी डेटा साइंस, एम.फार्म (फार्माकोग्नॉजी), एम.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन एवं रिसर्च पाठ्यक्रमों में देश के 27 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 3757 विद्यार्थी अध्ययनरत रहे। इनमें 1417 छात्राएं तथा 2340 छात्र शामिल हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट व प्लेसमेंट को लेकर विशेष प्रयास कर रहा है। इसके लिए गुरुग्राम में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर की सुविधा भी विकसित की कराई गई है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में भविष्य के लिए ऑनलाइन अध्ययन की आवश्यकता को देखते हुए विशेष रूप से इनफ्लिबिनेट के सहयोग से 'ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित किया है, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय इस सुविधा के माध्यम से विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच आवश्यकता के अनुसार संवाद व संशोधन की भी सुविधा उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय अपनी इस सुविधा का लाभ एक विशेष साझेदारी के माध्यम से स्थानीय शिक्षण संस्थानों को भी उपलब्ध करा रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों,

शोधार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय शिक्षण संस्थानों को 6000 से अधिक ऑनलाइन किताबें व जर्नल्स अध्ययन-अध्यापन व शोध के लिए उपलब्ध करा रहा है। साथ ही साथ पुस्तकालय के विस्तार की प्रक्रिया भी जारी है। विश्वविद्यालय की सोच है कि एक ऐसा पुस्तकालय उपलब्ध हो जो ऑनलाइन, ऑफलाइन अध्ययन सुविधाओं के साथ-साथ आधुनिक लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम से युक्त हो और जो विश्वविद्यालय के हितधारकों के साथ-साथ स्थानीय जनमानस व शिक्षण संस्थानों के लिए भी शिक्षा के नए आयाम उपलब्ध कराने में मददगार हो। विश्वविद्यालय ऑनलाइन रिसोर्सेज के विकास की दिशा में अग्रसर है और इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक अपने विषय से संबंधित विभिन्न प्रकार के ई-लेक्चर व वीडियो सामग्री आदि तैयार कर रहे हैं। विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए सुविधाओं के विकास हेतु विश्वविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वर्चुअल क्लॉसरूम की सुविधा भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ऑनलाइन लेक्चर्स व रिसर्च क्षमताओं के विकास के लिए 'सेंट्रल इन्सट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी' की परिकल्पना भी तैयार कर रहा है। विश्वविद्यालय का सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसी तरह विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन विशिष्ट कम्प्यूटर लैब से लैस है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संसाधनों के स्तर पर प्रयोगशालाओं को विस्तार प्रदान कर रहा है। अब वह दिन दूर नहीं जब हमारे विद्यार्थी समाज, देश व जनमानस से जुड़ी समस्याओं का निदान व सुविधाओं का विकास उपलब्ध कराएंगे। इस कार्य में औद्योगिक संस्थानों के साथ साझेदारी भी की जा रही है। संसाधनों के विकास के मोर्चे पर विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति की है जिसमें तीन शैक्षणिक खंडों का निर्माण, पांच मिनी ऑडिटोरियम, आठ हॉस्टल ब्लॉक, 72 रिहायशी क्वॉटर, प्रशासनिक खंड व स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा उपलब्ध है जबकि अतिथि गृह के निर्माण का कार्य जारी हैं और केंद्रीय पुस्तकालय भवन व विश्वविद्यालय के नए सभागार के निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू होने जा रहा है। इस दिशा में यदि मानव संसाधन के विकास की बात करें तो विश्वविद्यालय में नियमित शिक्षकों संख्या 180 तक पहुंच गई है इसी तरह यहां शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की संख्या 70 है जोकि विश्वविद्यालय में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में मददगार साबित हो रही है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु अपने दरवाजे न सिर्फ अपनी विद्यार्थियों बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए भी खोल रहा है। इसके पीछे का उद्देश्य प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाए गए 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में शैक्षणिक मोर्चे पर आपसी सहयोग व सांझेदारी को बढ़ावा देना है। इन्ही कोशिशों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय शिक्षण व अनुसंधान के मोर्चे पर लगातार नये-नये आयामों को प्राप्त कर रहा है।

प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार
कुलपति
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

"

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है ध्येय

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के ध्येय को प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय शोध, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन की संभावनाएं विकसित कर आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफलतम क्रियान्वयन की दिशा में विश्वविद्यालय योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ रहा है और विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार सृजन हेतु विश्वविद्यालय विशेष ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से माइक्रो लेवल पर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तुत प्रोफेसर इन प्रैक्टिस योजना को विश्वविद्यालय में लागू किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को सीधे तौर पर विश्वविद्यालय के साथ जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय ने एकेडमिक क्रेडिट बैंक, ड्यूल डिग्री प्रोग्राम व अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी की दिशा में भी योजनागत ढंग से क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अवश्य ही इसके माध्यम से सहभागी लाभान्वित होंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत, सक्षम भारत, सुदृढ़ भारत के सपने को साकार करने की दिशा में प्रयासरत है।

"

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय क्षेत्र की पहचान, दक्षिणी हरियाणा में उच्च शिक्षा के खुले विकल्प

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध व नवाचार के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के विकास के साथ आत्मनिर्भरता व कौशल विकास के सपने को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक के स्तर पर हो रहे नए परिवर्तनों को अपना रहा है और औद्योगिक मोर्चे पर विद्यार्थियों के शिक्षण, प्रशिक्षण की दिशा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर प्रयासरत है। सुविधाओं के विस्तार की प्रक्रिया में विश्वविद्यालय न सिर्फ अपने विद्यार्थियों बल्कि स्थानीय युवाओं को भी इनका लाभ पहुँचाने की कार्ययोजना पर कार्य कर रहा है। वैश्विक महामारी के संकट के बाद विश्वविद्यालय ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत 151-200 के बीच जगह बनाकर साबित किया है कि विभिन्न चुनौतियों के बावजूद विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन, शोध व नवाचार की दिशा में जारी कोशिशों को प्रभावित नहीं होने दिया गया।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय लगातार अपनी क्षमताओं का विकास कर आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय नयी सोच, आपसी सहयोग व साझेदारी के साथ विकास के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय 08 स्कूलों के अंतर्गत 34 विभागों में 82 पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। शैक्षणिक सत्र 2022-23 से विश्वविद्यालय ने अपने यहां एमएससी जियोफॉर्मेटिक्स, एमएससी डेटा साइंस, एम.फार्म (फार्माकोग्नॉजी), एम.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की शुरूआत की है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन एवं रिसर्च पाठ्यक्रमों में देश के 27 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के 3757 विद्यार्थी अध्ययनरत रहे। इनमें 1417 छात्राएं तथा 2340 छात्र शामिल हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियो की पढ़ाई के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट व प्लेसमेंट को लेकर विशेष प्रयास कर रहा है। इसके लिए गुरूग्राम में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर की सुविधा भी विकसित की कराई गई है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में भविष्य के लिए ऑनलाइन अध्ययन की आवश्यकता को देखते हुए विशेष रूप से इनफ्लिबिनेट के सहयोग से 'ई-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित किया है, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय इस सुविधा के माध्यम से विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच आवश्यकता के अनुसार संवाद व संशोधन की भी सुविधा उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय अपनी इस सुविधा का लाभ एक विशेष साझेदारी के माध्यम से स्थानीय शिक्षण संस्थानों को भी उपलब्ध करा रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय शिक्षण संस्थानों को 6000 से अधिक ऑनलाइन किताबें व जर्नल्स अध्ययन-अध्यापन व शोध के लिए उपलब्ध करा रहा है। साथ ही साथ पुस्तकालय के विस्तार की प्रक्रिया भी जारी है। विश्वविद्यालय की सोच है कि एक ऐसा पुस्तकालय उपलब्ध हो जो ऑनलाइन, ऑफलाइन अध्ययन सुविधाओं के साथ-साथ आधुनिक लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम से युक्त हो और जो विश्वविद्यालय के हितधारकों के साथ-साथ स्थानीय जनमानस व शिक्षण संस्थानों के लिए भी शिक्षा के नए आयाम उपलब्ध कराने में मददगार हो। विश्वविद्यालय ऑनलाइन रिसोर्सेज के विकास की दिशा में अग्रसर है और इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक अपने विषय से संबंधित विभिन्न प्रकार के ई-लेक्चर व वीडियो सामग्री आदि तैयार कर रहे हैं। विद्यार्थियों, शोधार्थियों के लिए सुविधाओं के विकास हेतु विश्वविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वर्चुअल क्लॉसरूम की सुविधा भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ऑनलाइन लेक्चर्स व रिसर्च क्षमताओं के विकास के लिए 'सेंट्रल इन्सट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी' की परिकल्पना भी तैयार कर रहा है। विश्वविद्यालय का सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इसी तरह विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन विशिष्ट कम्प्यूटर लैब से लैस है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संसाधनों के स्तर पर प्रयोगशालाओं को विस्तार प्रदान कर रहा है। अब वह दिन दूर नहीं जब हमारे विद्यार्थी समाज, देश व जनमानस से जुड़ी समस्याओं का निदान व सुविधाओं का विकास उपलब्ध कराएंगे। इस कार्य में औद्योगिक संस्थानों के साथ साझेदारी भी की जा रही है। संसाधनों के विकास के मोर्चे पर विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रगति की है जिसमें तीन शैक्षणिक खंडों का निर्माण, पांच मिनी ऑडिटोरियम, आठ हॉस्टल ब्लॉक, 72 रिहायशी क्वाटर, प्रशासनिक खंड व स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा उपलब्ध है जबकि अतिथि गृह के निर्माण का कार्य जारी हैं और केंद्रीय पुस्तकालय भवन व विश्वविद्यालय के नए सभागार के निर्माण का कार्य भी जल्द शुरू होने जा रहा है। इस दिशा में यदि मानव संसाधन के विकास की बात करें तो विश्वविद्यालय में नियमित शिक्षकों संख्या 180 तक पहुंच गई है इसी तरह यहां शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की संख्या 70 है जोकि विश्वविद्यालय में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में मददगार साबित हो रही है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु अपने दरवाजे न सिर्फ अपनी विद्यार्थियों बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए भी खोल रहा है। इसके पीछे का उद्देश्य प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाए गए 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में शैक्षणिक मोर्चे पर आपसी सहयोग व सांझेदारी को बढ़ावा देना है। इन्ही कोशिशों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय शिक्षण व अनुसंधान के मोर्चे पर लगातार नये-नये आयामों को प्राप्त कर रहा है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय की अब तक की उपलब्धियां

- भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 में विश्वविद्यालय श्रेणी में 151-200 के बीच मिला हकेवि को स्थान।
- एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2022-23 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को हरियाणा में तीसरा व भारत में 39वां स्थान मिला।
- आउटलुक-आईसीएआरई रैंकिंग 2022 में हकेवि शीर्ष 20 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के लिए किए गए कार्यों के लिए विश्वविद्यालय को आईडीए एजुकेशन अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया।
- 15वें इलैक्ट्रिक व्हिकल्स एग्जीबिशन (ईवी-एक्सपो)-2022 में हकेवि को मिला बेस्ट इनोवेशन स्टॉल अवॉर्ड।
- ड्यूल डिग्री प्रोग्राम को मिली शैक्षणिक परिषद की मंजूरी।

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है ध्येय

प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार
कुलपति
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

"हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के ध्येय को प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय शोध, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार सृजन की संभावनाएं विकसित कर आगे बढ़ रहा हैं। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सफलतम क्रियान्वयन की दिशा में विश्वविद्यालय योजनागत ढंग से आगे बढ़ रहा है और विद्यार्थियों के कौशल विकास व रोजगार सृजन हेतु विश्वविद्यालय विशेष ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के माध्यम से माइक्रो लेवल पर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तुत प्रोफेसर इन प्रेक्टिस योजना को विश्वविद्यालय में लागू किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को सीधे तौर पर विश्वविद्यालय के साथ जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय ने एकेडमिक क्रेडिट बैंक, ड्यूल डिग्री प्रोग्राम व अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी की दिशा में भी योजनागत ढंग से क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अवश्य ही इसके माध्यम से सहभागी लाभांवित होंगे। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत, सक्षम भारत, सुदृढ भारत के सपने को साकार करने की दिशा में सदैव तत्पर है।"

प्री दिवाली में लिया व्यंजनों का जायका

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग ने मनाया उत्सव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को दीवाली उत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के मीठे व नमकीन व्यंजन उपलब्ध कराए गए।

शिक्षकों और विद्यार्थियों ने शाही टुकड़ा, कुकीज, नारियल बर्फी, स्टफ्ड ब्रेड, कॉकटेल समोसा, मसाला चाय और केसर बादाम दूध का आनंद लिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी संवाद हेतु उपयोगी बताया।

इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार को विद्यार्थियों ने उत्सव के बारे में विस्तार से बताया। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि इस उत्सव के लिए विद्यार्थियों को उत्पादन, बिक्री व विपणन और संचालन टीम नाम से तीन टीमों में बांटा गया था।

उन्होंने बताया कि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार के मार्गदर्शन में मेन्यू निर्धारण, कच्चा माल खरीदना, व्यंजन बनाना व परोसने आदि का सभी कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ही किए गए। विद्यार्थियों को यह अवसर उपलब्ध कराने का उद्देश्य उनमें उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशल का विकास करना है।

हकेंविवि में कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. वीपी सिंह। संवाद

पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए व्यावहारिक प्रयास आवश्यक : प्रो. वीपी

महेंद्रगढ़ | पर्यावरण व जल प्रकृति द्वारा प्रदान अमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण व विकास हर नागरिक का कर्त्तव्य है। मौजूदा समय में बदली परिस्थितियों के अनुरूप बेहद जरूरी है कि इस दिशा में वैज्ञानिक सोच के साथ व्यावहारिक प्रयासों को अंजाम दिया जाए।

यह विचार हकेवि में टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित प्रो. वीपी सिंह ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्स सोसायटी व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से एन्वायरनमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति न प्रो.वीपी सिंह की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में उनकी मौजूदगी विद्यार्थियों, शिक्षकों व शोधार्थियों को पर्यावरण व जल संरक्षण के क्षेत्र में जारी विभिन्न बदलावों को जानने-समझने में सहयोग प्रदान करेगी।

पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वीपी सिंह ने प्रतिभागियों को कहा कि इकोलॉजी, इको-सिस्टम, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, जल संसाधनों का प्रबंधन, मानव जाति के लिए जल की उपयोगिता और विश्व समुदाय के समक्ष जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला और परिस्थितियों में सुधार हेतु आवश्यक विभिन्न प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. विकास गर्ग ने विशेषज्ञ वक्ता का परिचय दिया जबकि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक जिंदल ने विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय कराया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक प्रो. अजय बंसल, प्रो. फूल सिंह, इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. पिंकी अरोड़ा, इंजीनियर सुधीर व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा, आकाश मानव, कौशल झा व शुभम चौधरी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सहायक आचार्य सन्नी तंवर ने प्रस्तुत किया।

हकेवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

पंजाब केसरी
WED,19 OCTOBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए व्यावहारिक प्रयास आवश्यक: प्रो. वी.पी. सिंह

■ ह.कें.वि. में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

ह.कें.वि. में स्वावलंबी भारत अभियान पर केंद्रित सैमीनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 18 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): पर्यावरण व जल प्रकृति द्वारा प्रदान अमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण व विकास हर नागरिक का कर्त्तव्य है। मौजूदा समय में बदली परिस्थितियों के अनुरूप बेहद जरूरी है कि इस दिशा में वैज्ञानिक सोच के साथ व्यावहारिक प्रयासों को अंजाम दिया जाए।

यदि तकनीक व पुरातन ज्ञान का मेल होता है तो मानव जाति के समक्ष उपस्थित जलवायु परिवर्तन व जल संकट जैसी प्रमुख चुनौतियों का निदान कठिन नहीं है।

उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित प्रो. वी.पी. सिंह ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्स सोसायटी व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से एन्वायरनमैंट एंड वाटर मैनेजमैंट विषय पर आयोजित इस विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए जरूरी हो गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए तकनीक का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इसके लिए एन्वायरनमैंटल साइंस व इंजीनियरिंग डिपार्टमैंट को संयुक्त प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वी.पी. सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इकोलॉजी, इको सिस्टम, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, जल संसाधनों का प्रबंधन, मानव जाति के लिए जल की उपयोगिता व विश्व समुदाय के समक्ष जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विशेष प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों ने अपनी विभिन्न शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक प्रो. अजय बंसल, प्रो. फूल सिंह, इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. पिंकी अरोड़ा, इंजीनियर सुधीर व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा, आकाश मानव, कौशल झा व शुभम चौधरी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पंजाब केसरी
WED,19 OCTOBER 2022
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 4

पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए व्यावहारिक प्रयास आवश्यक: प्रो. वी.पी. सिंह

■ ह.कें.वि. में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़, 18 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): पर्यावरण व जल प्रकृति द्वारा प्रदान अमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण व विकास हर नागरिक का कर्त्तव्य है। मौजूदा समय में बदली परिस्थितियों के अनुरूप बेहद जरूरी है कि इस दिशा में वैज्ञानिक सोच के साथ व्यावहारिक प्रयासों को अंजाम दिया जाए।

यदि तकनीक व पुरातन ज्ञान का मेल होता है तो मानव जाति के समक्ष उपस्थित जलवायु परिवर्तन व जल संकट जैसी प्रमुख चुनौतियों का निदान कठिन नहीं है।

उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी के प्रतिष्ठित प्रो. वी.पी. सिंह ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंडियन वाटर रिसोर्स सोसायटी व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से एन्वायरनमैंट एंड वाटर मैनेजमैंट विषय पर आयोजित इस विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए जरूरी हो गया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए तकनीक का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इसके लिए एन्वायरनमैंटल साइंस व इंजीनियरिंग डिपार्टमैंट को संयुक्त प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

इसके पश्चात विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वी.पी. सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इकोलॉजी, इको सिस्टम, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, जल संसाधनों का प्रबंधन, मानव जाति के लिए जल की उपयोगिता व विश्व समुदाय के समक्ष जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विशेष प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों व शिक्षकों ने अपनी विभिन्न शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक प्रो. अजय बंसल, प्रो. फूल सिंह, इंजीनियर दीपक राणा, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. विकास कुमार, डॉ. रणबीर सिंह, डॉ. पिंकी अरोड़ा, इंजीनियर सुधीर व विद्यार्थी समन्वयक कुश सिन्हा, आकाश मानव, कौशल झा व शुभम चौधरी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हकेवि में एक्सेल और वित्तीय साक्षरता पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा एक्सेल और वित्तीय सहायता पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया।

उन्होंने कौशल सुधार के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की इस पहल की सराहना की। कुलसचिव ने कहा कि वित्तीय साक्षरता वित्त, ऋण, निवेश और बचत के प्रबंधन का ज्ञान है। यह शिक्षा हमें सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, जिसका हमारी वित्तीय स्थिरता से सीधा संबंध है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम के प्रोग्राम लीड प्रो. विपिन खुराना विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एक्सेल, एसपीएसएस, आर प्रोग्रामिंग, डेटा रिग्रेशन और वित्तीय प्रबंधन का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने कहा कि आज के परिदृश्य में डेटा हैंडलिंग और संगठन काफी महत्वपूर्ण है। फिर चाहे वह अंकगणितीय समाधानों की खोज हो, डेटा स्वरूपण, चार्ट द्वारा डेटा विश्लेषण या मानव संसाधन नियोजन हो। उन्होंने कहा कि एक्सेल व्यवसाय, वित्त और दैनिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि विश्वविद्यालय के हितधारक होने के नाते, हमें वित्तीय साक्षरता के बारे में पता होना चाहिए जो कि किसी भी व्यक्तिगत वित्तीय विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता मलिक, सूचना वैज्ञानिक; श्री नरेश, डॉ. विनोद और पुस्तकालय टीम के सदस्यों के सहयोग से किया। उन्होंने बताया कि आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल के समन्वय से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रबंधन अध्ययन, वाणिज्य, इंजीनियरिंग और शिक्षा जैसे विभिन्न विश्वविद्यालय विभागों के लगभग 110 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

हकेवि द्वारा चलाया मेगा स्वच्छता अभियान

- कुलसचिव ने स्वच्छता जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

विजय कौशिक

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने बुधवार को गांव जांट में स्कूली विद्यार्थियो के साथ स्वच्छता अभियान और स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश दिया कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण करना है। युवा पूरे हौसले से जीवन में आगे बढ़ें और संकल्प लें कि अपने समाज एवं राष्ट्र के लिए वे अनवरत काम करेंगे। एनएसएस के स्वयंसेवक आमजन को स्वच्छता व स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक करें।

स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जागरूकता रैली हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में वहां के युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। भारत युवाओं का देश है, जहां 65 प्रतिशत युवा रहते हैं। एनएसएस से न केवल समाज को, बल्कि छात्रों को भी काफी लाभ होता है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने देश भर में सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाइयों को 19 अक्टूबर, 2022 को एक मेगा स्वच्छता अभियान आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस अभियान में प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक ने दो किलोग्राम प्लास्टिक का कचरा जमा किया। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा भविष्य में भी स्वच्छ भारत अभियान के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित करने का संकल्प लेने का अपील किया। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट के शिक्षक अशोक शास्त्री, अजय पराशर, विनोद कुमार, डा. अनु, नीलम, उर्मिला, हरे किशन, डॉ. किरण सहित शिवम, साई, शैली, काजल, वाशु, मोनिका, तेजस, कालिका आदि एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'सफलता के लिए निवेश और बचत का ज्ञान होना जरूरी'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से बुधवार को एक्सेल और वित्तीय सहायता पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम को विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक बताया। उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता वित्त, ऋण, निवेश और बचत के प्रबंधन का ज्ञान है। यह शिक्षा हमें सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, जिसका हमारी वित्तीय स्थिरता से सीधा संबंध है।

आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम के कार्यक्रम लीड प्रो. विपिन खुराना vs एक्सेल, एसपीएसएस, आर प्रोग्रामिंग, डेटा रिग्रेशन और वित्तीय प्रबंधन का उपयोग पर वप्रकाश डाला। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने कहा कि आज के परिदृश्य में डेटा हैंडलिंग और संगठन काफी महत्वपूर्ण है। फिर चाहे वह अंकगणितीय समाधानों की खोज हो, डेटा स्वरूपण, चार्ट द्वारा डेटा विश्लेषण या मानव संसाधन नियोजन हो। उन्होंने कहा कि एक्सेल व्यवसाय, वित्त और दैनिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि विश्वविद्यालय के हितधारक होने के नाते, हमें वित्तीय साक्षरता के बारे में पता होना चाहिए जो कि किसी भी व्यक्तिगत वित्तीय विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव, विशेषज्ञ व आयोजक।

एनएसएस के स्वयंसेवियों ने गांव जांट में की सफाई

कुलसचिव ने स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाद न्यूज एजेंसी

स्वच्छता जागरूकता रैली को रवाना करते कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने बुधवार को गांव जांट में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस दौरान दो किलोग्राम प्लास्टिक का कचरा एकत्रित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश दिया कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण करना है। युवा पूरे हौसले से जीवन में आगे बढ़ें और संकल्प लें कि अपने समाज एवं राष्ट्र के लिए वे अनवरत काम करेंगे। उन्होंने कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक आमजन को स्वच्छता व स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक करें। विवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में वहां के युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। भारत युवाओं का देश है, जहां 65 प्रतिशत युवा रहते हैं। एनएसएस से न केवल समाज को, बल्कि छात्रों को भी काफी लाभ होता है।

विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने देश भर में सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाइयों को 19 अक्तूबर को एक मेगा स्वच्छता अभियान आयोजित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा भविष्य में भी स्वच्छ भारत अभियान के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित करने का संकल्प लेने का अपील किया। इस अवसर पर रावमावि जांट के शिक्षक अशोक शास्त्री, अजय पराशर, विनोद कुमार, डॉ. अनु, नीलम, उर्मिला, डॉ. किरण सहित शिवम, साई, शैली, काजल, वाशु, मोनिका, तेजस, कालिका आदि एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया प्री-दिवाली उत्सव

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में दीवाली उत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने इस उत्सव हेतु मेन्यू तैयार कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार के मीठे व नमकीन व्यंजन उपलब्ध कराए गए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी संवाद हेतु उपयोगी बताया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार को विद्यार्थियों ने उत्सव के बारे में विस्तार से बताया। कुलसचिव ने इस आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि इस उत्सव के लिए विद्यार्थियों को उत्पादन, बिक्री व विपणन और संचालन टीम नाम से तीन टीमों में बांटा गया था। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार के मार्गदर्शन में सभी कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ही किए गए।

हकेंवि ने चलाया मेगा स्वच्छता अभियान

जांट गांव में कुलसचिव ने स्वच्छता जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने बुधवार को गांव जांट में स्कूली विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता अभियान और स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश दिया कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण करना है। युवा पूरे हौसले से जीवन में आगे बढ़ें और संकल्प लें कि अपने समाज एवं राष्ट्र के लिए वे अनवरत काम करेंगे। उन्होंने कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक आमजन को स्वच्छता व स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जागरूकता रैली हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में वहां के युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। भारत युवाओं का देश है, जहां 65 प्रतिशत युवा रहते हैं। एनएसएस से न केवल समाज को, बल्कि छात्रों को भी काफी लाभ होता है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने देश भर में सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाइयों को 19 अक्टूबर, 2022 को एक मेगा स्वच्छता अभियान आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस स्वच्छता जागरूकता अभियान में स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान में प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक ने दो किलोग्राम प्लास्टिक का कचरा जमा किया। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा भविष्य में भी स्वच्छ भारत अभियान के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित करने का संकल्प लेने का अपील किया। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट के शिक्षक अशोक शास्त्री, अजय पराशर, विनोद कुमार, डॉ. अनु, नीलम, उर्मिला, हरे किशन, डॉ. किरण सहित शिवम, साई, शैली, काजल, वाशु, मोनिका, तेजस, कालिका आदि एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'आयोजन सहभागियों के बीच संवाद के लिए उपयोगी'

प्री दीपावली उत्सव में पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने लिया भाग

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने इस उत्सव के लिए मेन्यू तैयार कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार के मीठे व नमकीन व्यंजन उपलब्ध कराए गए। इनमें डोनट्स, शाही टुकड़ा, कुकीज, नारियल बर्फी, स्टफ्ड ब्रेड, काकटेल समोसा, मसाला चाय और केसर बादाम दूध शामिल रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी संवाद के लिए उपयोगी बताया।

हकेंवि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ और आयोजक। सौ. प्रवक्ता।

इस अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार को विद्यार्थियों ने उत्सव के बारे में विस्तार से बताया। कुलसिचव ने इस आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में संचार कौशल, सहयोग कौशल, समस्या समाधान कौशल, व्यक्तिगत प्रबंधन, रचनात्मकता का विकास करने में मदद मिलती है। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रणबीर सिंह ने बताया कि इस उत्सव के लिए विद्यार्थियों को उत्पादन, बिक्री व विपणन और संचालन टीम नाम से तीन टीमों में बांटा गया था। विभाग के सहायक आचार्य डा. अमित कुमार के मार्गदर्शन में मेन्यू निर्धारण, कच्चा माल खरीदना, व्यंजन बनाना व परोसने आदि का सभी कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने ही किए। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को यह अवसर उपलब्ध कराने का उद्देश्य उनमें उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशल का विकास करना है।

एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं का हो व्यक्तित्व विकास

स्वच्छता जागरूकता रैली को रवाना करते कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने बुधवार को गांव जांट में स्कूली विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता अभियान और स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश दिया कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण करना है। युवा हौसले से जीवन में आगे बढ़ें और संकल्प लें कि अपने समाज एवं राष्ट्र के लिए वे अनवरत काम करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जागरूकता रैली हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में वहां के युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। भारत युवाओं का देश है, जहां 65 प्रतिशत युवा रहते हैं। एनएसएस से न केवल समाज को, बल्कि छात्रों को भी काफी लाभ होता है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के देश भर में सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाइयों को 19 अक्टूबर को एक मेगा स्वच्छता अभियान आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस स्वच्छता जागरूकता अभियान में स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान में प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक ने दो किलोग्राम प्लास्टिक का कचरा जमा किया। उन्होंने स्वयंसेवकों द्वारा भविष्य में भी स्वच्छ भारत अभियान के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित करने का संकल्प लेने का अपील किया। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाट के शिक्षक अशोक शास्त्री, अजय पराशर, विनोद कुमार, डा. अनु, नीलम, उर्मिला, हरे किशन, डा. किरण सहित शिवम, साई, शैली, काजल, वाशु, मोनिका, तेजस, कालिका आदि उपस्थित रहे।

एक्सेल व्यवसाय व दैनिक जीवन में निभाता महत्त्वपूर्ण भूमिका

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा एक्सेल और वित्तीय सहायता पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया। उन्होंने कौशल सुधार के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की इस पहल की सराहना की। कुलसचिव ने कहा कि वित्तीय साक्षरता वित्त, ऋण, निवेश और बचत के प्रबंधन का ज्ञान है। यह शिक्षा हमें सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, जिसका हमारी वित्तीय स्थिरता से सीधा संबंध है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में आइसीएफएआइ बिजनेस स्कूल, गुरुग्राम के प्रोग्राम लीड प्रो. विपिन खुराना विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एक्सेल, एसपीएसएस, आर प्रोग्रामिंग, डेटा रिग्रेशन और वित्तीय प्रबंधन का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. संतोष सीएच ने कहा कि आज के परिदृश्य में डेटा हैंडलिंग और संगठन काफी महत्वपूर्ण है। फिर चाहे वह अंकगणितीय समाधानों की खोज हो, डेटा स्वरूपण, चार्ट द्वारा डेटा विश्लेषण या मानव संसाधन नियोजन हो।

उन्होंने कहा कि एक्सेल व्यवसाय, वित्त और दैनिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डा. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि विश्वविद्यालय के हितधारक होने के नाते, हमें वित्तीय साक्षरता के बारे में पता होना चाहिए जो कि किसी भी व्यक्तिगत वित्तीय विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन डा. विनीता मलिक, सूचना वैज्ञानिक, नरेश, डा. विनोद और पुस्तकालय टीम के सदस्यों के सहयोग से किया। उन्होंने बताया कि आइसीएफएआइ बिजनेस स्कूल के समन्वय से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रबंधन अध्ययन, वाणिज्य, इंजीनियरिंग और शिक्षा जैसे विभिन्न विश्वविद्यालय विभागों के लगभग 110 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्री दीवाली उत्सव आयोजित

महेंद्रगढ़, 19 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में दीवाली उत्सव का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विद्यार्थियों ने इस उत्सव हेतु मैनू तैयार कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार के मीठे व नमकीन व्यंजन उपलब्ध करवाए गए। इनमें डोनट्स, शाही टुकड़ा, कुकीज, नारियल बर्फी, स्टफ्ड ब्रैड, कॉकटेल समोसा, मसाला चाय और केसर बादाम दूध शामिल रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के आयोजनों को विभिन्न सहभागियों के बीच आपसी संवाद हेतु उपयोगी बताया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार को विद्यार्थियों ने उत्सव के बारे में विस्तार से बताया। कुलसिचव ने इस आयोजन के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि इस उत्सव के लिए विद्यार्थियों को उत्पादन, बिक्री व विपणन और संचालन टीम नाम से 3 टीमों में बांटा गया था।

विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार के मार्गदर्शन में मैनू निर्धारण, कच्चा माल खरीदना, व्यंजन बनाना व परोसने आदि का सभी कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा ही किए गए। विद्यार्थियों को यह अवसर उपलब्ध करवाने का उद्देश्य उनमें उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशल का विकास करना है।

एक्सैल और वित्तीय साक्षरता पर व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन

महेंद्रगढ़, 19 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा एक्सैल और वित्तीय सहायता पर आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक बताया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने किया। उन्होंने कौशल सुधार के लिए केंद्रीय पुस्तकालय की इस पहल की सराहना की। कुलसचिव ने कहा कि वित्तीय साक्षरता वित्त, ऋण, निवेश और बचत के प्रबंधन का ज्ञान है। यह शिक्षा हमें सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है, जिसका हमारी वित्तीय स्थिरता से सीधा संबंध है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई.सी.एफ.ए.आई. बिजनैस स्कूल, गुरुग्राम के प्रोग्राम लीड प्रो. विपिन खुराना विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने एक्सैल, एस.पी.एस.एस., आर. प्रोग्रामिंग, डाटा रिग्रेशन और वित्तीय प्रबंधन का उपयोग करके डाटा एनालिटिक्स पर विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सी.एच. ने कहा कि आज के परिदृश्य में डाटा हैंडलिंग और संगठन काफी महत्वपूर्ण है। फिर चाहे वह अंकगणितीय समाधानों की खोज हो, डाटा स्वरूपण, चार्ट द्वारा डाटा विश्लेषण या मानव संसाधन नियोजन हो। उन्होंने कहा कि एक्सैल व्यवसाय, वित्त और दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव, विशेषज्ञ व आयोजक।

विश्वविद्यालय के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजीव वशिष्ठ ने बताया कि विश्वविद्यालय के हितधारक होने के नाते, हमें वित्तीय साक्षरता के बारे में पता होना चाहिए जो कि किसी भी व्यक्तिगत वित्तीय विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता मलिक, सूचना वैज्ञानिक, नरेश, डॉ. विनोद और पुस्तकालय टीम के सदस्यों के सहयोग से किया। उन्होंने बताया कि आई.सी.एफ.ए.आई. बिजनैस स्कूल के समन्वय से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रबंधन अध्ययन, वाणिज्य, इंजीनियरिंग और शिक्षा जैसे विभिन्न विश्वविद्यालय विभागों के लगभग 110 विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

गांव जांट में हकेंवि ने चलाया मैगा स्वच्छता अभियान

महेंद्रगढ़, 19 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने बुधवार को गांव जांट में स्कूली विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता और स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश दिया कि एन.एस.एस. का मुख्य उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र का निर्माण करना है। युवा पूरे हौसले से जीवन में आगे बढ़ें और संकल्प लें कि अपने समाज एवं राष्ट्र के लिए वे अनवरत काम करेंगे। उन्होंने कहा

स्वच्छता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार।

कि एन.एस.एस. के स्वयंसेवक आमजन को स्वच्छता व स्वास्थ्य आदि के प्रति जागरूक करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में वहां के युवाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है। भारत युवाओं का देश है, जहां 65 प्रतिशत युवा रहते हैं। एन.एस.एस. से न केवल समाज को, बल्कि छात्रों को भी काफी लाभ होता है।

विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय ने देश भर में सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाइयों को 19 अक्तूबर को एक मैगा स्वच्छता अभियान आयोजित करने का निर्देश दिया है। इस स्वच्छता जागरूकता अभियान में स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जांट के शिक्षक अशोक शास्त्री, अजय पराशर, विनोद कुमार, डा. अनु, नीलम, उर्मिला, हरे किशन, डॉ. किरण आदि उपस्थित रहे।

हकेंवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमन एवं डॉ. भूषण सिंह के नेतृत्व में एम.कॉम. के विद्यार्थियों ने कोसली, महेंद्रगढ़ स्थित विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राओं को विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभप्रद बताया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए यह औद्योगिक भ्रमण अहम साबित होगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को बधाई दी। डॉ. सुमन ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र की कार्यप्रणाली और निर्माण प्रक्रिया के व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि यह इकाई प्रसिद्ध विसाका उद्योगों के कुल 14 विनिर्माण संयंत्रों में से एक है, जिसकी स्थापना 1981 में डॉ. जी. विवेकानंद द्वारा की गई थी।

हकेंवि में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की शृंखला में चौथे कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। बता दें कि कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। इसके तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शिक्षक शिक्षा, भौतिकी और खगोल भौतिकी, भूगोल, यात्रा और होटल प्रबंधन के साथ-साथ पोषण जीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में न्यूट्रिशन बायोलॉजी की सुश्री लाभी जैन और भूगोल की सुश्री राजश्री ने पहला स्थान हासिल किया। न्यूट्रीशन बायोलॉजी की सुश्री स्नेहा कुल्लू, सुश्री शिवानी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान शिक्षक शिक्षा के श्री निरंजन थापा और श्री प्रशांत कुमार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक सुश्री आरजू, सुश्री आयुषी, ए मल्लेश, बी रोहित कुमार, आनंद सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंविवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमन, डॉ. भूषण सिंह के नेतृत्व में एमकॉम के विद्यार्थियों ने कोसली, महेंद्रगढ़ स्थित विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राओं को विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभप्रद बताया। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए यह औद्योगिक भ्रमण अहम साबित होगा। संवाद

कार्यक्रम

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यलय में अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत कार्यक्रम आयोजित

पोषक अनाज पर प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में लाभी और राजश्री प्रथम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषण जीव विज्ञान विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

इस दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई जिसमें न्यूट्रिशन बायोलॉजी की छात्रा लाभी जैन और भूगोल की राजश्री ने पहला स्थान हासिल किया।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान पोषक अनाज के प्रति जागरूकता के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शिक्षक शिक्षा, भौतिकी और खगोल भौतिकी, भूगोल, यात्रा और होटल प्रबंधन के साथ-साथ पोषण जीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में न्यूट्रिशन बायोलॉजी की लाभी जैन और भूगोल की राजश्री ने पहला स्थान हासिल किया। न्यूट्रीशन बायोलॉजी की स्नेहा कुल्लू, शिवानी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान शिक्षक शिक्षा के निरंजन थापा और प्रशांत कुमार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक आरजू, आयुषी रहीं।

हकेंविवि में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी। संवाद

हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। गैलेक्सी स्कूल में हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा छठी से नौवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी अध्यापक द्वारा की गई। बच्चों की हिंदी व्याकरण संबंधी प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में महादेवी वर्मा सदन प्रथम, जयशंकर प्रसाद सदन द्वितीय रहा। वहीं दूसरी ओर स्कूल की खिलाड़ी हिमांशी व ऋषभ ने शूटिंग प्रतियोगिता में दिल्ली के करणी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने पर सम्मातन किया गया। अब यह बच्चे 28 नवंबर को केरल में अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय की चेयरपर्सन सुधा, एकता ने बच्चों को मेडल पहनाकर उनका स्वागत किया। विद्यालय के एमडी दरियाव सिंह, सतीश शर्मा ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है जिससे बच्चे ऊंचे पद को प्राप्त करते हैं। प्राचार्य श्याम सिंह ने बच्चों को इनाम देकर सम्मानित किया। संवाद

'विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभप्रद हैं शैक्षणिक यात्राएं'

हकेंवि के विद्यार्थियों ने औद्योगिक भ्रमण में प्राप्त की जानकारी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डाक्टर सुमन एवं डा. भूषण सिंह के नेतृत्व में एमकाम के विद्यार्थियों ने कोसली, महेंद्रगढ़ स्थित विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राओं को विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभप्रद बताया।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए यह औद्योगिक भ्रमण अहम साबित होगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को बधाई दी। डाक्टर सुमन ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कारपोरेट क्षेत्र की कार्यप्रणाली और निर्माण प्रक्रिया के व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि यह इकाई प्रसिद्ध विसाका उद्योगों के कुल 14 विनिर्माण संयंत्रों में से एक है, जिसकी स्थापना 1981 में डाक्टर जी विवेकानंद द्वारा की गई थी। विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पास कई उत्पाद पोर्टफोलियो हैं, जिनमें नालीदार सीमेंट शीट और फाइबर सीमेंट बोर्ड से लेकर हाईब्रिड सोलर रूफ और मानव निर्मित फाइबर यार्न शामिल हैं। औद्योगिक भ्रमण के दौरान प्लांट हेड श्रीनिवासन राव ने कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की पूरी निर्माण प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया। डा. भूषण सिंह ने अकाउंट्स, ह्यूमन रिसोर्स, क्वालिटी कंट्रोल और प्रोडक्शन जैसे क्रास फंक्शनल क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों के बीच संवाद सत्र का संचालन किया।

भ्रमण के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी ● सौ. प्रवक्ता

अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हकेंवि में आयोजित प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की शृंखला में चौथे कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। विवि. में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शिक्षक शिक्षा, भौतिकी और खगोल भौतिकी, भूगोल, यात्रा और होटल प्रबंधन के साथ पोषण जीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता किया।न्यूट्रिशन बायोलाजी की लाभी जैन व भूगोल की राजश्री ने पहला स्थान पाया। न्यूट्रीशन बायोलाजी की स्नेहा कुल्लू, शिवानी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान शिक्षक शिक्षा के निरंजन थापा व प्रशांत कुमार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक आरजू, आयुषी, ए मल्लेश, बी रोहित कुमार, आनंद सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमन एवं डॉ. भूषण सिंह के नेतृत्व में एमकॉम के विद्यार्थियों ने कोसली, महेंद्रगढ़ स्थित विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भ्रमण किया।

औद्योगिक भ्रमण

विद्यार्थियों ने कॉर्पोरेट क्षेत्र की निर्माण प्रक्रिया व कार्यप्रणाली के व्यावहारिक पक्ष जाने

औद्योगिक भ्रमण के दौरान शिक्षक एवं विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़, 20 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुमन एवं डॉ. भूषण सिंह के नेतृत्व में एम.कॉम के विद्यार्थियों ने कोसली, महेंद्रगढ़ स्थित विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राओं को विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभप्रद बताया।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने कहा कि विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए यह औद्योगिक भ्रमण अहम साबित होगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए विभाग के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों को बधाई दी। डॉ. सुमन ने बताया कि औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट क्षेत्र की कार्यप्रणाली और निर्माण प्रक्रिया के व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने का अवसर मिला।

विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता में सुधार व पेशेवर कौशल को आत्मसात करने की दी सलाह

उन्होंने बताया कि यह इकाई प्रसिद्ध विसाका उद्योगों के कुल 14 विनिर्माण संयंत्रों में से एक है, जिसकी स्थापना 1981 में डॉ. जी. विवेकानंद द्वारा की गई थी।

विसाका इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पास कई उत्पाद पोर्टफोलियो हैं, जिनमें नालीदार सीमेंट शीट और फाइबर सीमेंट बोर्ड से लेकर हाइब्रिड सोलर रूफ और मानव निर्मित फाइबर यार्न शामिल हैं।

औद्योगिक भ्रमण के दौरान प्लांट हैड श्रीनिवासन राव ने कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की पूरी निर्माण प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के बारे में भी बताया।

डॉ. भूषण सिंह ने अकाऊंट्स, ह्यूमन रिसोर्स, क्वालिटी कंट्रोल और प्रोडक्शन जैसे क्रॉस फंक्शनल क्षेत्रों के उद्योग विशेषज्ञों व विद्यार्थियों के बीच संवाद सत्र का संचालन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगार क्षमता में सुधार करने व पेशेवर कौशल को आत्मसात करने की सलाह दी।

डॉ. सुमन ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कंपनी प्रबंधन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़, 20 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में चौथे कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

हकेंवि में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी।

बता दें कि कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है। इससे मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी। इसके तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पोषक अनाज के प्रति जागरूकता हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शिक्षक शिक्षा, भौतिकी और खगोल भौतिकी, भूगोल, यात्रा और होटल प्रबंधन के साथ-साथ पोषण जीव विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।

प्रतियोगिता में न्यूट्रिशन बायोलॉजी की लाभी जैन और भूगोल की राजश्री ने पहला स्थान हासिल किया। न्यूट्रीशन बायोलॉजी की स्नेहा कुल्लू, शिवानी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान शिक्षक शिक्षा के निरंजन थापा और प्रशांत कुमार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक आरजू, आयुषी, ए. मल्लेश, बी. रोहित कुमार, आनंद सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

The Tribune
CHANDIGARH | FRIDAY | 21 OCTOBER 2022

Eyebrows raised as VC's wife appears in interview at central university

RAVINDER SAINI
TRIBUNE NEWS SERVICE

ROHTAK, OCTOBER 20

Dr Sunita Srivastava, wife of Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor (VC), Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, was one of the applicants who appeared in the interview held in Gurugram yesterday for the post of Professor at the department of physics and astrophysics in the CUH.

Eyebrows are being raised over the development, with noted academician Dr KPS Mahalwar, a retired professor from the law department at Maharshi Dayanand University (MDU) Rohtak and former member of the academic council of the CUH, describing it as "a case of conflict of interest".

"It is also against natural justice of law if a close relative of the head of any university appears in the interview to get any key post, the possibility of the influence of the head on the members of the selection committee cannot be denied. This is the law of the land laid down by the courts," said Mahalwar, who has also been associated with several national law universities of the country in their decision-making bodies like academic and general council.

A view of the Central University of Haryana in Mahendragarh.

AGAINST NATURAL JUSTICE

"It is against natural justice of law if a close relative of the head of any university appears in interview to get any key post. **Dr KPS Mahalwar**, RETD PROFESSOR, LAW DEPT, MDU, ROHTAK & EX-MEMBER, ACADEMIC COUNCIL, CUH

EVERYONE HAS RIGHT TO APPLY

"I was not part of the selection process. Everyone has the right to apply for any post, hence nothing is wrong in it. The entire process was carried out in a transparent manner. **Prof Tankeswar Kumar**, VC, CUH

Sources said Dr Hoshiar Singh Moond, assistant professor at KR College in Gopalganj (Bihar), had also filed a complaint to the Union Education Minister before the interview, claiming that since the VC's wife was also one of the candidates, hence the interview was merely an eye-wash. "Dr Sunita was going to retire from Panjab University, Chandigarh, on October 31 on attaining the age of 60," he added.

Dr Moond said he had applied for the post of associate professor (physics) but his application was rejected.

Notably, Dr Sunita also worked in the CUH on deputation for around a year. Sunil Gupta, Registrar, CUH, said her deputation period had ended recently.

Dr Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor, CUH, told The Tribune that she had chaired the interview for the post of Professor and Dr Sunita also attended the interview.

Meanwhile, VC Prof Tankeswar Kumar said he was not part of the selection process. Everyone had the right to apply for any post, hence nothing was wrong in it. The entire process was carried out in a transparent manner, he claimed.

"My wife had applied for the post not only this year, but also earlier in the CUH. She is already a professor in Panjab University and had also applied for the post in other central universities," he added. A higher official in the state government said, "The wife or any other relative of the VC can appear in the interview for the job in the same university if the VC is not part of the selection committee."

स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों के लिए ओपन काउंसलिंग 31 अक्टूबर को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 03 नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शिडयूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले व न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शिडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

हकेवि में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

- बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने मारी बाजी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़।हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आनॅलाइन क्लास व ऑफलाइन क्लास विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन समाजशास्त्र विभाग द्वारा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार के संयोजन में किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता तर्क शक्ति के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है।

इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की सात टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में डॉ. वी.एन. यादव, सह-आचार्य, मनोविज्ञान विभाग; डॉ. श्री राम पाण्डेय, सह-आचार्य, सूचना व पुस्तकालय विभाग व डॉ. सुमन, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग ने निर्णायक मण्डल के रूप में उपस्थित रहे। इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में समाज शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तनवी भाटी ने स्वागत भाषण दिया। इसके उपरान्त डॉ. युद्धवीर जैलदार ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत करवाया। प्रतियोगिता में बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने प्रथम पुरस्कार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की टीम ने द्वितीय तथा मनोविज्ञान विभाग की टीम ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया।

निर्णायक मण्डल ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया व उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों सहित कुल 51 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अन्त में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार ने सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।

हकेंविवि

वाद-विवाद प्रतियोगिता में 51 सदस्यों ने लिया भाग

बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने मारी बाजी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आनॅलाइन व ऑफलाइन क्लास विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार के संयोजन में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता तर्क शक्ति के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रतियोगिता में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने प्रथम पुरस्कार, पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग की टीम ने द्वितीय तथा मनोविज्ञान विभाग की टीम ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों सहित कुल 51 सदस्यों ने हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। डॉ. वीएन यादव, सह-आचार्य, मनोविज्ञान विभाग डॉ. श्रीराम पांडेय, सह आचार्य, सूचना व पुस्तकालय विभाग व डॉ. सुमन, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। समाज शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तनवी भाटी ने स्वागत भाषण दिया।

डॉ. युद्धवीर जैलदार ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत करवाया। समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की।

प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थी स्टाफ सदस्यों के साथ। संवाद

विवि में दाखिले का एक और अवसर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसिलिंग का आयोजन किया जा रहा है। स्नातक, इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्तूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 3 नवंबर को ओपन काउंसिलिंग का आयोजन होगा। ओपन काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है।

संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले, न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसिलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। साथ ही सीयूईटी परीक्षा देने वाले, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए पंजीकरण न करने वाले अभ्यर्थी भी ओपन काउंसिलिंग में प्रतिभागिता कर सकते हैं किंतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। संवाद

एजुकेशन • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले का एक और अवसर

स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों के लिए ओपन काउंसलिंग 31 को

- स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए 3 नवम्बर को होगी ओपन काउंसलिंग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 03 नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेड्यूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले व न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। साथ ही सीयूईटी परीक्षा देने वाले व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में प्रतिभागिता कर सकते हैं, किंतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शैड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

• हकेवि में विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की टीम ने मारी बाजी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि में विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ऑनलाइन क्लास व ऑफलाइन क्लास विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन समाजशास्त्र विभाग द्वारा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार के संयोजन में किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता तर्क शक्ति के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की सात टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में डॉ. वी.एन. यादव, सह-आचार्य, मनोविज्ञान विभाग; डॉ. श्री राम पाण्डेय, सह-आचार्य, सूचना व पुस्तकालय विभाग व डॉ. सुमन, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग ने निर्णायक मण्डल के रूप में उपस्थित रहे। इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में समाज शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तनवी भाटी ने स्वागत भाषण दिया। इसके उपरान्त डॉ. युद्धवीर जैलदार ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत करवाया। प्रतियोगिता में बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने प्रथम पुरस्कार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की टीम ने द्वितीय तथा मनोविज्ञान विभाग की टीम ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। निर्णायक मण्डल ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया व उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों सहित कुल 51 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अन्त में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार ने सभी प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया।

राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में दूसरी रिहर्सल में पोलिंग पार्टियों को संबोधित करते एसडीएम हर्षित कुमार।

स्नातक-स्नातकोत्तर के लिए ओपन काउंसलिंग 31 को

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

हकेंवि ●

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल आफिसर डा. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए तीन नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शेडयूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले और न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। साथ ही सीयूईटी परीक्षा देने वाले व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए पंजीकरण न करने वाले अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में प्रतिभागिता कर सकते हैं, लेकिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डा. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शेड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण और अन्य जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना होगा।

वाद-विवाद में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम अव्वल

संस , महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आनलाइन क्लास व आफलाइन क्लास विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन समाजशास्त्र विभाग की ओर से विभाग के सहायक आचार्य डा. युद्धवीर जैलदार के संयोजन में किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता तर्क शक्ति के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की सात टीमों ने हिस्सा लिया। डा. वीएन यादव, सह-आचार्य, मनोविज्ञान विभाग, डा. श्रीराम पांडेय, सह-आचार्य, सूचना व पुस्तकालय विभाग व डा. सुमन, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे। इससे पूर्व समाज शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तनवी भाटी ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद डा. युद्धवीर जैलदार ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत करवाया। स्पर्धा में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने प्रथम पुरस्कार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की टीम ने द्वितीय और मनोविज्ञान विभाग की टीम ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया।

हरियाणा केंद्रीय विवि में दाखिले का एक ओर अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सवांर्गीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए तीन नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शैडयूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले व न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। साथ ही सीयूईटी परीक्षा देने वाले व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए पंजीकरण न करने वाले अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में प्रतिभागिता कर सकते हैं किंतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शिडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

■ स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों के लिए ओपन काउंसलिंग 31 अक्टूबर को

हरियाणा केंविवि में दाखिले का एक और अवसर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए तीन नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले का एक और अवसर

महेंद्रगढ़, 26 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काऊंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काऊंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्तूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 3 नवम्बर को ओपन काऊंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काऊंसलिंग का शैड्यूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वैबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तावेजों के साथ ओपन काऊंसलिंग के लिए आना है।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में बी.टैक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम प्रथम

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थी आयोजन व निर्णायक मंडल के साथ।

महेंद्रगढ़, 26 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

ऑनलाइन क्लास व ऑफलाइन क्लास विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का आयोजन समाजशास्त्र विभाग द्वारा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जैलदार के संयोजन में किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता तर्क शक्ति के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की 7 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में डॉ. वी.एन. यादव, सह-आचार्य, मनोविज्ञान विभाग, डॉ. राम पाण्डेय, सह-आचार्य, सूचना व पुस्तकालय विभाग व डॉ. सुमन, सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे।

इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में समाज शास्त्र विभाग की सहायक आचार्य तनवी भाटी ने स्वागत भाषण दिया।

इसके उपरांत डॉ. युद्धवीर जैलदार ने प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत करवाया। प्रतियोगिता में बी.टैक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की टीम ने प्रथम पुरस्कार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की टीम ने द्वितीय तथा मनोविज्ञान विभाग की टीम ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया।

निर्णायक मंडल ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया व उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों सहित कुल 51 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले का एक और अवसर

सुरेश पंचोली

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की ओर से विश्वविद्यालयीन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों में दाखिले के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक व इंटीग्रेटेड कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अक्टूबर को तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए 03 नवंबर को ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओपन काउंसलिंग के लिए विद्यार्थियों को दिए गए शिडयूल के अनुसार विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि संबंधित पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा न देने वाले व न्यूनतम पात्रता रखने वाले नए अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में हिस्सा ले सकते हैं। साथ ही सीयूईटी परीक्षा देने वाले व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए पंजीकरण न करने वाले अभ्यर्थी भी ओपन काउंसलिंग में प्रतिभागिता कर सकते हैं किंतु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि ओपन काउंसलिंग का शिडयूल, रिक्त सीटों का विवरण व अन्य विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यार्थियों को अपने मूल दस्तोवजों के साथ ओपन काउंसलिंग के लिए आना है।

हकेवि में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैवरसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति व वेबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रों में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है। उन्होंने उत्कृष्टता की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अभिनव पहल करने के लिए जैव रसायन विभाग की सराहना की। वेबिनार में जेएमपी, ग्लोबल टीम के एकेडमिक एम्बेस्डर डॉ. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डॉ. सौरभ चंद्र सक्सेना और डॉ. नीलम ने किया है। डॉ. सक्सेना ने मुख्य वक्ता वक्ता का परिचय कराया। डॉ. नीलम ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार में शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। वेबिनार के आयोजन में जैव रसायन विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन और डॉ. मुलका मारुति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए पाठ योजना अति आवश्यक: स्मृता शीतल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ज्ञान और कौशल के विकास हेतु सदैव तत्पर और प्रयत्नशील है। आभासी रूप में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की वरिष्ठ आचार्या श्रीमती स्मृता शीतल विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता की। विशेषज्ञ वक्ता श्रीमती स्मृता शीतल ने योग के विद्यार्थियों को योग की शिक्षण विधियां में पाठ योजना के प्रायोगिक विषय से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसमान्य तक पहुंचाने में पाठ योजना अतिआवश्यक है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विशेषज्ञ व्याख्यान को विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद बताया। योग विभाग के सहायक आचार्य और शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थियों को योग के प्रायोगिक पक्ष को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए उसकी पाठ योजना की अति आवश्यकता होती है, ताकि वे वैज्ञानिक तरीकों से योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पक्ष को रख सकें। योग विज्ञान के क्षेत्र में हुए नए अनुसंधानों से जन सामान्य को लाभ दे सकें। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन सहित विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर लगाया वेबिनार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैव रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति एवं वेबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रो में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है। उत्कृष्टता की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अभिनव पहल करने के लिए जैव रसायन विभाग की सराहना की। वेबिनार में जेएमपी, ग्लोबल टीम के एकेडमिक एम्बेस्डर डॉ. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. मुरलीधर ने सांख्यिकीय उपकरणों और सॉफ्टवेयर के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के साथ संवाद कर विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त किया। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइ डसाइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डॉ. सौरभ चंद्र सक्सेना और डॉ. नीलम ने किया है। वेबिनार के आयोजन में जैव रसायन विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन और डॉ. मुलका मारुति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

योग को जन सामान्य तक पहुंचाने के लिए पाठ योजना आवश्यक : शीतल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल के विकास हेतु सदैव तत्पर और प्रयत्नशील है। आभासी रूप में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की वरिष्ठ आचार्या स्मृता शीतल विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता की। विशेषज्ञ वक्ता स्मृता शीतल ने योग के विद्यार्थियों को योग की शिक्षण विधियां में पाठ योजना के प्रायोगिक विषय से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसमान्य तक पहुंचाने में पाठ योजना अति आवश्यक है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विशेषज्ञ व्याख्यान को विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद बताया। योग विभाग के सहायक आचार्य और शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थियों को योग के प्रायोगिक पक्ष को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए उसकी पाठ योजना की आवश्यकता होती है ताकि वे वैज्ञानिक तरीकों से योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पक्ष को रख सकें। योग विज्ञान के क्षेत्र में हुए नए अनुसंधानों से जन सामान्य को लाभ दे सकें। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन सहित विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। संवाद

हकेंवि में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय वेबिनार करवाया

सांख्यिकीय उपकरणों की मान्यता के बिना अध्ययन का कोई मतलब नहीं : कुलपति

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैवरसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति व वेबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रों में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकी उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है। उन्होंने उत्कृष्टता की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अभिनव पहल करने के लिए जैव रसायन विभाग की सराहना की। वेबिनार में जेएमपी, ग्लोबल टीम के एकेडमिक एम्बेस्डर डॉ. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. मुरलीधर ने सांख्यिकीय उपकरणों और सॉफ्टवेयर के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, बैंकिंग और उद्योगों के आंकड़ों के विश्लेषण में सांख्यिकी के महत्व पर जोर दिया। मुख्य वक्ता ने सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कोविड-19 महामारी के दौरान डेटा विश्लेषण की भूमिका पर चर्चा की। सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता के साथ संवाद कर विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त किया जिन्हें संबंधित अनुसंधान क्षेत्र में लागू किया जा सकता है।

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटरडिस प्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डॉ. सौरभ चंद्र सक्सेना और डॉ. नीलम ने किया है। डॉ. सक्सेना ने मुख्य वक्ता वक्ता का परिचय कराया। डॉ. नीलम ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार में शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। वेबिनार के आयोजन में जैव रसायन विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन और डॉ. मुलका मारुति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए पाठ योजना अतिआवश्यक : स्मृता शीतल

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि के योग विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ज्ञान और कौशल के विकास हेतु सदैव तत्पर और प्रयत्नशील है। आभासी रूप में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की वरिष्ठ आचार्या स्मृता शीतल विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता की।

विशेषज्ञ वक्ता स्मृता शीतल ने योग के विद्यार्थियों को योग की शिक्षण विधियां में पाठ योजना के प्रायोगिक विषय से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि योग के वैज्ञानिक तरीकों को जन सामान्य तक पहुंचाने में पाठ योजना अतिआवश्यक है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विशेषज्ञ व्याख्यान को विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद बताया। योग विभाग के सहायक आचार्य और शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थियों को योग के प्रायोगिक पक्ष को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए उसकी पाठ योजना की अति आवश्यकता होती है, ताकि वे वैज्ञानिक तरीकों से योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पक्ष को रख सकें। योग विज्ञान के क्षेत्र में हुए नए अनुसंधानों से जन सामान्य को लाभ दे सकें। योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन सहित विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

शोध के बाद अध्ययन का कोई मतलब नहीं : टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैव रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार में विश्वविद्यालय कुलपति व वेबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रों में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है। उन्होंने उत्कृष्टता की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अभिनव पहल करने के लिए जैव रसायन विभाग की सराहना की। वेबिनार में जेएमपी, ग्लोबल टीम के एकेडमिक एम्बेसडर डा. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

डा. मुरलीधर ने सांख्यिकीय उपकरणों और साफ्टवेयर के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, बैंकिंग और उद्योगों के आंकड़ों के विश्लेषण में सांख्यिकी के महत्व पर जोर दिया। मुख्य वक्ता ने सांख्यिकीय साफ्टवेयर का उपयोग करके कोविड-19 महामारी के दौरान डेटा विश्लेषण की भूमिका पर चर्चा की। सवाल-जवाब सत्र

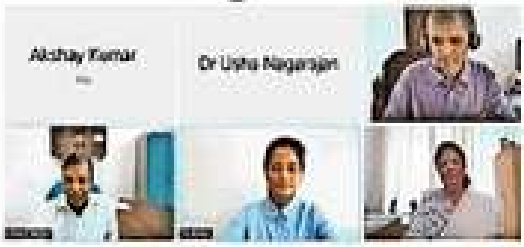

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते वक्ता ● सौ. प्रवक्ता

के दौरान प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता के साथ संवाद कर विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त किया। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक और स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने प्रतिभागियों को सांख्यिकीय साफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डा. सौरभ चंद्र सक्सेना और डा. नीलम ने किया है। डा. सक्सेना ने मुख्य वक्ता वक्ता का परिचय कराया। डा. नीलम ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार में शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। वेबिनार में डा. अंतरेश कुमार, डा. उषा नागराजन और डा. मुलका मारुति की खास भूमिका रही।

विद्यार्थी योग को लोगों तक पहुंचाए

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग की ओर से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ज्ञान और कौशल के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील है। आभासी रूप में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की वरिष्ठ आचार्या स्मृता शीतल विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता की। स्मृता शीतल ने योग के विद्यार्थियों को योग की शिक्षण विधियां में पाठ योजना के प्रायोगिक विषय से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसमान्य तक पहुंचाने में पाठ योजना अतिआवश्यक है।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करते विशेषज्ञ ● सौ. प्रवक्ता

स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विशेषज्ञ व्याख्यान को विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद बताया। योग विभाग के सहायक आचार्य और शिक्षक प्रभारी डा. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थियों को योग के प्रायोगिक पक्ष को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए उसकी पाठ योजना की अति आवश्यकता होती है, ताकि वे वैज्ञानिक तरीकों से योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पक्ष को रख सकें। योग विज्ञान के क्षेत्र में हुए नए अनुसंधानों से जन सामान्य को लाभ दे सकें। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डा. नवीन सहित विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

हकेवि में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर वेबिनार आयोजित

नारनौल, 27 अक्तूबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैव रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति व वेबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रों में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है। वेबिनार में जेएमपी, ग्लोबल टीम के एकेडमिक एम्बेस्डर डॉ. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. मुरलीधर ने सांख्यिकीय उपकरणों और सॉफ्टवेयर के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता ने सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कोविड-19 महामारी के दौरान डेटा विश्लेषण की भूमिका पर चर्चा की। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। वेबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डॉ. सौरभ चंद्र सक्सेना और डॉ. नीलम ने किया है। आयोजन में जैव रसायन विभाग के संकाय सदस्यों डॉ. अंतरेश कुमार, डॉ. उषा नागराजन और डॉ. मुलका ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दैनिक ट्रिब्यून

सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण पर राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन

महेंद्रगढ़, 27 अक्तूबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जैव रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित इस वैबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति व वैबिनार के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विविध क्षेत्रों में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी शोध क्षेत्र के बावजूद किसी भी अध्ययन का कोई मतलब नहीं है जब तक कि इसे सांख्यिकीय उपकरणों द्वारा मान्य नहीं किया जाता है।

उन्होंने उत्कृष्टता की दिशा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अभिनव पहल करने के लिए जैव रसायन विभाग की सराहना की। वैबिनार में जे.एम.पी., ग्लोबल टीम के एकैडमिक एम्बैसेडर डॉ. मुरलीधर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. मुरलीधर ने सांख्यिकीय उपकरणों और सॉफ्टवेयर के महत्त्व

हकेंवि में आयोजित राष्ट्रीय वैबिनार को संबोधित करते विशेषज्ञ।

पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, बैंकिंग और उद्योगों के आंकड़ों के विश्लेषण में सांख्यिकी के महत्व पर जोर दिया। मुख्य वक्ता ने सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कोविड-19 महामारी के दौरान डाटा विश्लेषण की भूमिका पर चर्चा की।

सवाल-जवाब सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने मुख्य वक्ता के साथ संवाद कर विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त किया, जिन्हें संबंधित अनुसंधान क्षेत्र में लागू किया जा सकता है।

अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के उद्देश्यों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

उन्होंने प्रतिभागियों को सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के बारे में भी जानकारी दी। जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवन कुमार मौर्य ने स्वागत भाषण दिया। इस राष्ट्रीय वैबिनार का संयोजन जैव रसायन विभाग के डॉ. सौरभ चंद्र सक्सेना और डॉ. नीलम ने किया है। डॉ. सक्सेना ने मुख्य वक्ता वक्ता का परिचय करवाया।

डॉ. नीलम ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस राष्ट्रीय वैबिनार में शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए पाठ योजना अतिआवश्यकः स्मृता शीतल

महेंद्रगढ़, 27 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के ज्ञान और कौशल के विकास हेतु सदैव तत्पर और प्रयत्नशील है। आभासी रूप में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की वरिष्ठ आचार्या स्मृता शीतल ने विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभागिता की।

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान को संबोधित करती विशेषज्ञ।

विशेषज्ञ वक्ता स्मृता शीतल ने योग के विद्यार्थियों को योग की शिक्षण विधियां में पाठ योजना के प्रायोगिक विषय से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि योग के वैज्ञानिक तरीकों को जनसामान्य तक पहुंचाने में पाठ योजना अतिआवश्यक है। स्कूल ऑफ इंटरडिस्प्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने विशेषज्ञ व्याख्यान को विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद बताया। योग विभाग के सहायक आचार्य और शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थियों को योग के प्रायोगिक पक्ष को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए उसकी पाठ योजना की अति आवश्यकता होती है, ताकि वे वैज्ञानिक तरीकों से योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पक्ष को रख सकें।

योग विज्ञान के क्षेत्र में हुए नए अनुसंधानों से जन सामान्य को लाभ दे सकें। इस अवसर पर योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन सहित विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।